भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

13 अगस्त - 19 अगस्त 2025

jagrukjanta.net

भाद्रपद, पक्ष - कृष्ण, तिथि - चतुर्थी, संवत 2082 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-24, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

राज्य में विद्यालयों की जर्जर स्थिति के लिए सरकारी होना भी जिम्मेदार!

सटीक

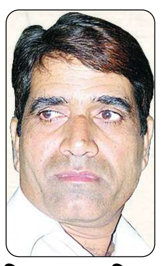

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

इस वर्ष जुलाई में भारी बरसात हुई और इस बरसात के कारण जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। कितने ही लोग इस बरसात में काल के गाल में समा गए। कहीं बाढ़ से तो कहीं सड़क में बने गड्ढों के कारण अपनी जान गंवा बैठे। कहीं जर्जर इमारतों के ढह जाने से भी मौतें हुई हैं। कई जगह सड़कों पर बने पुल टूट जाने से भी हादसे हुए हैं। लेकिन ऐसे हादसे भी हुए हैं जिनकी जिम्मेदारी सीधे-सीधे सरकार पर जाती है। ऐसे हादसों में सरकारी विद्यालयों की जर्जर इमारतें गिर जाने से हुए हादसे शामिल हैं। पिछले दिनों झालावाड़ क्षेत्र में एक सरकारी स्कूल की इमारत ढह गई जिसमें कई बच्चों की मौत हो गई। फिर कुछ दिनों बाद जैसलमेर में सरकारी स्कूल का गेट गिर गया उसमें एक बच्ची की मौत हो गई। ऐसा नहीं है कि ये हादसे पहली बार हुए हैं। पहले भी ऐसे हादसे कई बार हो चुके हैं। मगर कुछ दिन फाइलें इधर-उधर घूमती हैं आरोप-प्रत्यारोप लगते हैं किसी को स्सपेंड कर दिया जाता है। फिर जांच बैठती है और सब कुछ सामान्य। फिर ऐसे ही हादसे। जब सरकार बजट देती है तो उसको विद्यालयों के निर्माण में क्यों नहीं लगाया जाता। क्यों नहीं सतत प्रक्रिया चलती है विद्यालयों की जांच करने की। प्राइवेट विद्यालयों में तो सब तरह के नियम बने होते हैं उनके अनुसार विद्यालय प्रशासन को चलना होता है। मगर ये नियम सरकारी विद्यालयों पर क्यों नहीं लागू होते। निजी विद्यालयों का तो अनियमितता पाई जाने पर रजिस्ट्रेशन निरस्त कर दिया जाता है। ऐसी कार्रवाई सरकारी विद्यालयों के संचालन कर्ताओं पर क्यों नहीं होती। इस लापरवाही के पीछे दूसरा कारण भी दिखाई देता है क्योंकि गरीबों के बच्चे ही सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं। संभ्रांत परिवार, सरकारी कर्मचारी व राजनेताओं के बच्चे सब प्राइवेट स्कूलों में पढ़ते हैं। इसलिए इस ओर उनका ध्यान ही नहीं जाता। कई जगह तो सरकारी स्कूलों के प्रधान अध्यापक स्कूलों की दशा सुधारने एवं जरूरत का सामान भामाशाहों से मांगते हैं। ऐसा क्यों होता है। क्यों नहीं उन्हें पूरा बजट मिलता है। जिस प्रकार रेलवे पूरे देश में स्टेशनों का नवीनीकरण कर रहा है ऐसा ही एक अभियान सरकारी विद्यालयों की इमारतों को लेकर चलना चाहिए। वरना ये हादसे ऐसे ही होते रहेंगे। कुछ दिनों तक संवेदना व्यक्त करने के अलावा कुछ नहीं होगा। वही ढॉक के तीन पात।

shivdayalmishra@gmail.com

प्रदेश में पहली बार आमजन के समक्ष होगी आर्मी-डे परेड

राजस्थानी संस्कृति की दिखे झलक, दुनिया को दिखेगी बदलते भारत की उभरती तस्वीर - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान के सम्मान में हर वर्ष आर्मी-डे परेड का आयोजन किया जाता है। इस बार आगामी 15 जनवरी को यह भव्य आयोजन प्रदेश की राजधानी जयपुर में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आर्मी-डे परेड का आयोजन भारतीय सेना द्वारा पहली बार आर्मी क्षेत्र से बाहर आमजन के समक्ष किया जाएगा, जिससे युवाओं में देश भक्ति की भावना और अधिक प्रबल हो सके तथा दुनिया में बदलते भारत की उभरती तस्वीर नजर आए। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर आर्मी-डे परेड की तैयारियों को लेकर भारतीय थल सेना एवं राज्य सरकार के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की विश्व में पराक्रम और वीरता के

लिए विशिष्ट पहचान है। हमारे वीर जवानों ने समय-समय पर अपनी बहादुरी का प्रदर्शन कर यह दर्शाया है कि देश की आन, बान और शान के लिए वे अपना सर्वस्व न्यौछावर करते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेना के इसी शौर्य को सम्मान देने के लिए आर्मी-डे परेड के इस आयोजन को और भव्य बनाया जाए।

युवाओं की अधिक से अधिक भागीदारी को दें प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आर्मी-डे परेड में स्कूल एवं कॉलेज के छात्र-छात्राओं, पर्यटकों सहित आमजन की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित की जाए। साथ ही परेड स्थल का चयन करते समय अनुमानित दर्शक क्षमता का भी विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने जिला कलक्टर जयपुर को आयोजन स्थल का नक्शा बनाते हुए पूरा रोड़ मैप तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूरे कार्यक्रम में दर्शकों को राजस्थान की अद्भुत संस्कृति की झलक भी दिखनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को आयोजन स्थल पर पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था के उचित प्रबंधन के लिए भी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समारोह के वृहद आयोजन के लिए कार्ययोजना बनाकर सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें।

नो यॉर आर्मी, ऑनर रन, मोटर साइकिल शो जैसी गतिविधियां होंगी आयोजित

भारतीय सेना की दक्षिण पश्चिम कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनजिन्दर सिंह ने बैठक में बताया कि आर्मी-डे परेड को आम लोगों तक पहुंचाने तथा युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से इसका आयोजन जयपुर में किया जा रहा है। इस दौरान अलग-अलग दिवसों पर रक्तदान शिविर, ऑनर रन, साइकिल रैली, नो यॉर आर्मी जैसी सेना दिवस से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सेना दिवस परेड कार्यक्रम के दिन परेड संरचना के तहत पैदल सैनिक दस्ते, टैंक, तोप, मिसाइल, भारतीय सेना बैण्ड, मोटर साइकिल शो तथा विभिन्न झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के युद्ध कौशल और सांस्कृतिक विरासत के प्रदर्शन के लिए शौर्य संध्या का भी भव्य स्तर पर आयोजन किया जाएगा। बैठक में मेजर जनरल अमर रामदासानी ने मुख्यमंत्री को प्रस्तुतिकरण के माध्यम से सेना दिवस परेड की तैयारियों को लेकर जानकारी दी। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित भारतीय थल सेना एवं राज्य सरकार के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

'आधार कार्ड को नागरिकता प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता'

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले SIR करवाने के मामले में विवाद पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत ने कहा है कि चुनाव आयोग सही है यह कहने में कि आधार को अंतिम प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, इसकी जांच-परख जरूरी है।

कोर्ट में क्या दलील दी गई?

मामले में सुनवाई के दौरान सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि 1950 के बाद जन्मा हर व्यक्ति भारत का नागरिक है लेकिन यहां प्रक्रिया में भारी गड़बड़ी है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि एक छोटे से विधानसभा क्षेत्र में 12 लोगों को मृत दिखा दिया गया, जबकि वे जिंदा है। BLO ने कोई काम नहीं किया। सीनियर एडवोकेट गोपाल एस. ने कोर्ट को बताया कि 65 लाख नाम हटाए गए हैं, यह सामूहिक बहिष्करण है। वहीं, चुनाव आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा कि यह सिर्फ ड्राफ्ट रोल है। इतने बड़े अभ्यास में छोटी-मोटी गलती हो सकती है, लेकिन यह कहना कि मृत जीवित हैं, सही नहीं।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

ग्रामीण बेटियों की उड़ान- 25 लाख की छात्रवृत्ति और 8 स्कॉलर्स अवार्ड से सम्मान

हर गांव से निकले 'रूमा'-दीया कुमारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। रूमा देवी फाउंडेशन और गढ़वाल फैमिली फाउंडेशन की ओर से मंगलवार को कांस्टीट्यूशन क्लब, जयपुर में "रूमा देवी सुगनी देवी अक्षरा छात्रवृत्ति 2025" के कार्यक्रम के द्वितीय चरण का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान की उप-मुख्यमंत्री दिया कुमारी शामिल हुईं। इस अवसर पर कुल 25 लाख रुपये की छात्रवृत्ति जरूरतमंद और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रदान की गई। साथ ही, मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश लेने वाली ग्रामीण पृष्ठभूमि की 8 बेटियों को 1-1 लाख रुपये के स्कॉलर्स अवार्ड देकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

डॉ. रूमा देवी बनीं प्रेरणा का स्रोत

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि कार्यक्रम की पहलकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. रूमा देवी, जिन्होंने पारिवारिक परिस्थितियों के कारण आठवीं कक्षा में पढ़ाई छोड़ दी थी, आज ग्रामीण भारत की बेटियों के लिए प्रेरणा का स्तंभ हैं। उन्होंने कहा "हर गांव और जिले से एक रूमा देवी निकलनी चाहिए। हुनर, हैंडीक्राफ्ट और शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए सरकार उनके फाउंडेशन के साथ मिलकर कार्य करेगी।" इस वर्ष के आयोजन के साथ शिक्षा के लिए 1 करोड़ और खेल को बढ़ावा देने के लिए 2 करोड़ रुपये सहित कुल 3 करोड़ रुपये की राशि समर्पित होगी।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

दिल्ली-NCR में पुरानी गाड़ियों पर नहीं लगेगी रोक!

नईदिल्ली @ जागरूक जनता। दिल्ली-एनसीआर में 10 साल पुरानी डीजल और 15 साल पुरानी पेट्रोल गाड़ी के मालिकों के खिलाफ फिलहाल कार्रवाई नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाते हुए ऐसे गाड़ी मालिकों के खिलाफ एक्शन लेने से मना किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली-एनसीआर में 10 साल पुरानी डीजल और 15 साल पुरानी पेट्रोल गाड़ियों के मालिकों के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया जाएगा। हालांकि, इस मामले में 4 हफ्ते बाद सुप्रीम कोर्ट में दोबारा सुनवाई होनी है।

बता दें कि दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए पुरानी गाड़ियों पर लगाए गए बैन को हटाने की मांग की थी। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए ही सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को नोटिस जारी किया है। दरअसल, दिल्ली सरकार ने व्हीकल बैन को लागू करने वाला नियम 1 जुलाई 2025 से ही लागू कर दिया था। लेकिन भारी विरोध और खामियों के बाद इसे वापस ले लिया गया था। हालांकि, दिल्ली सरकार ने वापस लेने के फैसले को अस्थायी बताया था और कहा था कि यह सिर्फ दिल्ली में ही नहीं, बल्कि एनसीआर में भी लागू होना चाहिए।

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

जागरूक खबरें

जयपुरवासियों से अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने की की अपील

जयपुर @ जागरूक जनता। नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रातः 8:30 बजे ध्वजारोहण किया जायेगा। महापौर डॉ सौम्या गुर्जर द्वारा राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को प्रातः 08:30 बजे नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर ध्वजारोहण किया जाएगा। महापौर ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सभी जयपुरवासियों को शुभकामनाएँ दी हैं तथा सभी जयपुरवासियों से अपील की है कि वे अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराये।

राजस्थान विधानसभा सत्र 1 सितम्बर से, होगी सर्वदलीय बैठक

जयपुर @ जागरूक जनता। सोलहवीं राजस्थान विधानसभा का चतुर्थ अधिवेशन 1 सितम्बर से शुरू होगा। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि विधान सभा के इस अधिवेशन के संबंध में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अधिसूचना जारी कर दी है। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के चतुर्थ सत्र से संबंधित विभिन्न तैयारियों की समीक्षा की। देवनानी ने बताया कि सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक भी आयोजित की जायेगी।

जमवारामगढ़ में क्लाउड सीडिंग परीक्षण का शुभारंभ

रामगढ़ झील को पुनर्जीवित करना ही हमारी प्राथमिकता- डॉ. मीणा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कृषि मंत्री डॉ. किरोडीलाल मीणा के अथक प्रयास से मंगलवार को जवमारामगढ़ बांध के इलाके में ड्रोन से कृत्रिम बारिश करवाने की कार्यवही शुरु की गई। विज्ञान, आधुनिक तकनीक तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अद्भुत समन्वय के क्लाउड सीडिंग के माध्यम से करवाई जा रही कृत्रिम वर्षा को देखने के लिए भीड़ अनुमान से अधिक आई। भीड़ को कम करके ड्रोन को उड़ाने का प्रयास भी किया गया परन्तु भीड़ अधिक होने से नेटवर्क जाम हो गया, जिससे जीपीएस सिंगल लॉस होने से ड्रोन ऑटो लैंडिंग मोड़ में आ जाने के कारण लेंड हो गया। अबकी बार भीड़ को कम करके मल्टी नेटवर्क जैमर लगाये जाएँगे। जिससे ये समस्या नहीं आयेगी और कृत्रिम वर्षा कराई जाएगी। कृत्रिम बारिश के लिए वैज्ञानिकों की टीम जयपुर में है जो लगातार अपने स्तर पर ड्रोन से कृत्रिम बारिश का परीक्षण कर रहे हैं। रामगढ़ बांध पर कृत्रिम बारिश के प्रयोग के शुभारंभ पर माननीय कृषि मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का अयोजन किया गया, जिसने हजारों की तादात में लोगों ने भाग लिया है।

डॉ. किरोडीलाल मीणा ने कहा कि इस क्लाउड सीडिंग का मुख्य उद्देश्य रामगढ़ झील को पुनर्जीवित करना, जल संकट को कम करना और क्षेत्र में पारिस्थितिकी तंत्र संतुलन बहाल करना है। यह एक अनुसंधान एवं विकास आधारित पायलट प्रोजेक्ट है, जिसमें आधुनिक ड्रोन बेस्ड क्लाउड सीडिंग तकनीक और एआई का उपयोग कर वर्षा को वैज्ञानिक तरीके से बढ़ावा दिया जायेगा। भारत में पहली बार ड्रोन बेस्ड क्लाउड सीडिंग की जा रही है। इसमें 'हाइड्रो ट्रेस' नाम का एआई पावर्ड प्लेट फॉर्म इस्तेमाल हो रहा है, जो रियल टाइम डेटा, सेटेलाइट इमेजिंग और सेंसर नेटवर्क की मदद से सही समय और सही बादलों को टारगेट करता है। यह 60 दिनों तक चलने वाला पायलट मिशन है। उन्होंने बताया कि ड्रोन बेस्ड क्लाउड सीडिंग में ड्रोन को बादलों के पास भेजा जाता है, जहां यह सोडियम क्लोराइड या अन्य सुरक्षित सीडिंग ऐजेंट्स छोड़ता है। इससे बादलों में मौजूद नमी के कण आपस में मिलकर पानी की बूंदों में बदल जाते हैं और बारिश होती है। यह मिशन 12 अगस्त से शुरु होकर लगभग 60 दिनों तक चलेगा शुरुआती प्रभाव हमें तुरंत बारिश के रूप में दिखेगा, लेकिन लंबे समय में इसका असर झील के जल स्तर, भुमिगत जल भंडार और कृषि उत्पादन पर पड़ेगा। कृषि मंत्री ने बताया कि यह तकनीक बिल्कुल सुरक्षित है और इसमें इस्तेमाल होने वाले एजेंट्स, बहुत कम मात्रा में और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रयोग किये जाते हैं। यह मानव, पशु तथा फसलों के लिए हानिकारक नहीं हैं।

प्लास्टिक मुक्त शहर की दिशा में अनूठी पहल 'बर्तन बैंक' योजना

राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने किया पोस्टर का विमोचन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में कान्ता फाउंडेशन ट्रस्ट जयपुर ने बर्तन बैंक योजना चालू की है। योजना के पोस्टर का विमोचन राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी के कर कमलों द्वारा किया गया। ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष जी.एल. खुराना ने बताया कि यह कार्य 'यूज एण्ड थ्रो प्लास्टिक' को रोकने तथा पर्यावरण की रक्षा के उद्देश्य को लेकर शुरू किया गया है। बर्तन बैंक द्वारा एक बर्तन सेट के लिए सिर्फ एक रुपए की नाममात्र की सहयोग राशि ली जाएगी। बर्तन सेट में एक थाली, चार कटोरी, एक गिलास एवं एक चम्मच शामिल हैं। भोजन वितरण कार्यक्रमों में सागदान, छोटी-बड़ी बाल्टी, छोटे-बड़े चम्मच, भगोने एवं अन्य सामान उपलब्ध करवाया जाएगा। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष जी.एल. खुराना, सचिव हरीश खत्री, नवीन भूटानी, केशव अरोड़ा, के.सी. जग्गा सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि खुराना ने अपनी दिवंगत पत्नी कांता खुराना की स्मृति में कांता फाउंडेशन ट्रस्ट की स्थापना की है। ट्रस्ट द्वारा कई विद्यालयों में छात्रों के लिए एवं अन्य सेवा कार्य किए जाते हैं।

जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह

आयोजन को बनाएं दिव्य, भव्य, गरिमामयी-सोनी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां समय से पूर्व एवं उच्च गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी है, ताकि स्वतंत्रता दिवस का आयोजन भव्य, गरिमापूर्ण एवं प्रेरणादायी बन सके। 15 अगस्त को उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा मुख्य अतिथि के रूप में जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण करेंगे और परेड की सलामी लेंगे। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों एवं नागरिकों को सम्मानित भी किया जाएगा। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयोजन से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं तय समयसीमा में पूर्ण कर ली जाएं। जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी चौगान स्टेडियम में होने वाले मुख्य समारोह में मंच व्यवस्था, ध्वनि प्रसारण प्रणाली, यातायात एवं पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, आमंत्रण पत्र वितरण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बच्चों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल एवं चिकित्सीय सुविधाओं सहित सभी व्यवस्थाओं को समन्वयपूर्वक सुनिश्चित किया जाए। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को राष्ट्रीय पर्व पर रोशनी, रंगोली, सजावट एवं साफ सफाई सुनिश्चित करने के साथ-साथ समारोह में आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों का पूर्वाभ्यास करने के निर्देश दिये। उन्होंने इस अहम पर्व के अवसर पर आयोजित समारोह में जन प्रतिनिधियों, पूर्व सैनिकों, विरांगनाओं, उत्कृष्ट खिलाड़ियों, लोक कलाकारों, पत्रकारिता, सामाजिक-धार्मिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों सहित समाज के सभी वर्गों की विभूतियों को ससम्मान आमंत्रित करने के निर्देश दिये।

राजस्थान में होगी जातिगण जनगणना, आपकी संपत्ति पर भी रहेगी सरकार की नजर, 2 चरणों में होगा काम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में वर्ष 2027 की जनगणना दो चरणों में कराई जाएगी, जिसमें पहला चरण आगामी अप्रेल से सितंबर के बीच एक महीने की अवधि का होगा, जबकि दूसरा चरण वर्ष 2027 के फरवरी में कराया जाएगा। राज्य के सांख्यिकी विभाग के प्रमुख शासन सचिव भवानी सिह देथा और निदेशक (जनगणना कार्य) बिष्णु चरण मलिक ने मंगलवार को यहां प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी।

आवासों की भी गणना होगी

मलिक ने बताया कि जनगणना के पहले चरण में मकानों की गणना की जाएगी, जिसमें सम्पति को सूचिबद्ध किया जाएगा, जबकि दूसरे चरण में जनसंख्या की गणना की जाएगी। इसमें 29 सूचनाएं एकत्र की जाएगी। उन्होंने बताया कि पहला चरण अगले वर्ष अप्रेल से सितंबर के बीच में एक महीने में कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस चरण के गर्मी की छुट्टियों के समय लगभग 15 मई से एक महीने में कराए जाने की संभावना हैं। हालांकि इस बारे में तिथि राज्य सरकार तय करेगी।

फरवरी में दूसरा चरण

दूसरा चरण वर्ष 2027 के फरवरी में कराया जाएगा, जिसमें व्यक्ति की गणना की जाएगी। इस बार राज्य में जनणना के दौरान उन सभी व्यक्तियों की गणना की जाएगी जो उस दौरान वहां मौजूद मिलेगा। इसमें अगर परिवार के अलावा अन्य व्यक्ति या कोई विदेशी भी जनगणना के दौरान यहां 6 महीने से ठहरा हुआ है तो उसकी भी गणना की जाएगी।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनाः जयपुर के 2 लाख 64 हजार 868 किसानों को हुआ 96 करोड़ क्लेम का भुगतान

देश के 35 लाख किसानों को 3900 करोड़ क्लेम का भुगतान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत हवाई पट्टी झुन्झूनू में क्लेम भुगतान कार्यक्रम का केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता, राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रमुख आतिथ्य व केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के विशेष आतिथ्य में आयोजन हुआ। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने बटन दबाकर फसल खराबा से प्रभावित देश के 35 लाख किसानों को 3900 करोड़ क्लेम का भुगतान डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से किया।

वीसी के माध्यम से यह कार्यक्रम जयपुर कलेक्ट्रेट के सभागार में नोडल अधिकारी अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर उत्तर मुकेश मूण्ड की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि खरीफ 2024 खराबा से प्रभावित जयपुर जिले के 1 लाख 46 हजार 944 किसानों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से 80 करोड़ क्लेम का भुगतान किया गया। वहीं रबी 2024 खराबा से प्रभावित 1 लाख 17 हजार 924 किसानों को डीबीटी प्रणाली के माध्यम से 16 करोड़ क्लेम का भुगतान किया गया। इस तरह कुल 2 लाख 64 हजार 868 किसानों को 96 करोड़ क्लेम का भुगतान हुआ है। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार कैलाश चन्द मीणा, उप निदेशक उद्यान हरलाल सिंह बिजारनिया, परियोजना निदेशक (आत्मा) जयपुर भगवान सहाय यादव, सहित कृषक उपस्थित थे।

अखिल भारतीय सर्व समाज सनातन समिति राजस्थान ने निकाली तिरंगा वाहन रैली

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सर्व समाज सनातन समिति राजस्थान के तत्वावधान में एक विशाल तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। सांगानेर विधानसभा से तिरंगा झंडा लगाकर दुपहिया वाहन चालक तिरंगा साफा पहनकर मुख्यमंत्री केम्प कार्यालय के सामने सुमेर नगर की ओर जाने वाली सडक पर एकत्रित हुए। जयपुर की लोकप्रिय सांसद मंजू शर्मा, जयपुर ग्रेटर की मेयर सौम्या गूजर एवं संत प्रकाश दास जी महाराज ने रैली में भागलेने वाले समूह को संबोधित करते हुऐ देश भक्ति का जोरदार भाव उत्पन्न किया। दुपहिया वाहन पंक्तिबद्ध होकर देशभक्त के नारे लगाते हुए रवाना हुए जो एसएफएस मध्यम मार्ग होते हुए सिटी पार्क होते हुए वीटी रोड होकर रिद्धी सिद्धी चौराहे से गोपालपुरा चौराहा होकर टोंक रोड से चलते हुए रामबाग चौराहे से मुडकर अमर जवान ज्योति तक पहुँचे।भिन्न भिन्न स्थानों रैली का समाजिक संस्थाओं द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। रैली का समापन अमर जवान ज्योति पर हुआ। मीडिया संयोजक मुकेश भारद्वाज ने बताया कि रैली को समापन पर भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने संबोधित किया। इस कार्यक्रम में कार्यकारिणी के अध्यक्ष मेघेन्द्र शर्मा ने रैली की व्यवस्था को संभालने के लिए एबीएस4 की टीम जिसमें कमलेश टाँक, ललित चाँदकोटिया, विवेक गोयल, गिर्राज शर्मा, पारस जैन, जीतेन्द्र शेखावत, अरूण जोशी, रजनीकांत शर्मा, महेन्द्र शर्मा, अभिनव जोशी एवं धर्मेन्द्र तिवाडी को धन्यवाद ज्ञापित कर आऐ सभी लोगों को जलपान करवाने की व्यवस्था करवाई। प्रकाश दास जी महाराज एवं सभी पधारे राजनैतिक एवं सामाजिक गणमान्यों का स्वागत कर राष्ट्रगीत के साथ रैली का समापन किया।

राजकीय महाविद्यालय विद्याधर नगर की छात्राओं ने मुख्यमंत्री के रक्षासूत्र बांधे

जयपुर @ जागरूक जनता। राजकीय महाविद्यालय विद्याधर नगर जयपुर के प्रभारी प्राचार्य डॉ.प्रहलाद सहाय बुनकर ने बताया कि मुख्यमंत्री निवास पर रक्षाबंधन पर्व पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कलाई पर अन्य सहभागी बहनों एवं छात्राओं के साथ महाविद्यालय की नोडल अधिकारी डॉ.सुमन ढाका के नेतृत्व में छात्राएं संजना शर्मा और चांदनी सोनी ने रक्षासूत्र बांधे । इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित बहनों को रक्षाबंधन की बधाई देते हुए कहा कि रक्षाबंधन का हमारी संस्कृति में बहुत महत्व है। यह भाई-बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक है। हमारे ऐसे त्यौहारों में समरसता एवं एकरूपता का संदेश निहित होता है। उन्होंने कहा कि परम्परा और विरासत को आगे बढ़ाने में बहनों का अहम योगदान है। बहनें परिवार में विभिन्न भूमिकाएं निभाते हुए उसे संजोने एवं संस्कारित करने की जिम्मेदारी निभाती है। इसलिए हमारी संस्कृति में बहनों का स्थान सर्वोपरि होता है। मुख्यमंत्री ने उपस्थित बहनों से आह्वान किया कि वे पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाने के साथ ही सामाजिक कार्यों से भी जुड़ें और वें जीवन में साहसिक रूप से कार्य करते हुए अपने सपनों को पूरा करें।

बच्चों को देंगे लाइफ स्किल्स ट्रेनिंग, पोस्टर विमोचन

जयपुर @ जागरूक जनता। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ग्लोबल हैल्थ एंड वेलफेयर सोसायटी की ओर से सन शाइन होप समिति, रामनगर में विशेष कार्यक्रम आयोजित होगा। झंडारोहण और राष्ट्रगान के बाद बच्चों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए गोष्ठी होगी। सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ मुकेश गुप्ता ने बताया कि इस गोष्ठी के पोस्टर का विमोचन हुआ जिसमें डॉ ओ पी बालोदिया, डॉ श्वेता टिक्कीवाल, कोच इशिता बिंद्रा, संजय अग्रवाल,राम लक्ष्मी नारायण मीना,आरती कल्ला,पूनम शर्मा,सुनीता शर्मा,वंदना शर्मा,अर्चना बालोदिया,राजकुमारी अग्रवाल सहित अन्य कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को लाइफ स्किल्स ट्रेनिंग दी जाएगी, जिसमें दैनिक जीवन में स्वच्छ आदतें अपनाने और स्वास्थ्य संरक्षण के टिप्स शामिल होंगे। इसके साथ ही बच्चों को टी-शर्ट, स्टेशनरी किट और फूड पैकेट भी वितरित किए जाएंगे। आयोजकों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य बच्चों में आत्मनिर्भरता और जागरूकता बढ़ाना है।

जयपुर रेलवे स्टेशन पर आज और कल "विभाजन की विभीषिका" स्मृति दिवस पर लगेगी चित्र प्रदर्शनी

जयपुर @ जागरूक जनता। विभाजन विभीषिका भारत के इतिहास की एक अत्यंत दुखद और दर्दनाक घटना है। 15 अगस्त 1947 को भारत को आज़ादी मिली,लेकिन इसके साथ ही देश का विभाजन भी हुआ। यह विभाजन धार्मिक आधार पर हुआ,जिसमें लाखों लोगों को अपने घर,जमीन और परिवार छोड़कर एक अनजाने स्थान की ओर पलायन करना पड़ा। विभाजन के दौरान भयंकर सांप्रदायिक दंगे हुए,जिसमें लाखों निर्दोष लोग मारे गए। औरतों के साथ अत्याचार हुए, बच्चों को उनके माता-पिता से अलग कर दिया गया और समाज में भय,नफरत और अविश्वास का माहौल बन गया। जिसमें लाखो लोग मारे गए और करोड़ों लोग बेघर हो गए। इस विभीषिका ने न केवल लोगों के जीवन को तहस-नहस कर दिया,बल्कि मानवता को भी शर्मसार कर दिया। यह घटना आज भी इतिहास के पन्नों में एक काले अध्याय के रूप में दर्ज है। भारत सरकार ने 14 अगस्त को "विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस" के रूप में घोषित किया है,ताकि नई पीढ़ी इस त्रासदी से सबक ले सके और एकता,शांति व सद्भाव बनाए रखने का संकल्प ले। पूजा मित्तल-वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर नें बताया की मंडल पर आजादी का अमृत महोत्सव"हर घर तिरंगा"अभियान के तहत 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रुप मे मनाया जाएगा इस उपलक्ष में जयपुर रेलवे स्टेशन 13 व 14 अगस्त को चित्र प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इस प्रदर्शनी में विभाजन विभीषिका में अपने प्राण गंवाने वाले तथा विस्थापन का दर्द झेलने वाले लाखों भारतीयों से संबंधित चित्रों का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत क्लेम भुगतान कार्यक्रम

कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़, किसान देश की आत्मा -चौहान

प्रदेश के 9 लाख 70 हजार से अधिक किसान लाभान्वित, 1426 करोड़ रुपये से अधिक के क्लेम का भुगतान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ और किसान भारत की आत्मा है। हमारी डबल इंजन की सरकार राजस्थान में किसानों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही हैतथा कृषि का रोड़ मैप बनाते हुए वैज्ञानिक पद्धति को प्रोत्साहित कर रही है।उन्होंने राजस्थान सरकार द्वारा कृषक हित में किए जा रहे अभूतपूर्व कार्यों के लिए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा ब्याज मुक्त ऋण, पीएम किसान सम्मान निधि में वृद्धि, किसानों को दिन में बिजली जैसी सौगातों से किसानों को राहत मिली है।

चौहान झुंझुनूं में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल बीमा क्लेम भुगतान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि झुंझुनूं वीरों की भूमि है तथा देश की सुरक्षा करते हुए यहां के सैंकड़ों जवानों ने बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि पहलगाम के कायराना हमले के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी भारतीय सेनाओं ने आतंकवादियों के आकाओं के अड्डे नष्ट कर दिये और उन्हें खंडहर में परिवर्तित कर दिया।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि किसान दिन-रात मेहनत करते हैं, परन्तु बाढ़, सूखा, पाले जैसी प्राकृतिक आपदाओं से उनकी फसलें नष्ट हो जाती है। उन्होंने कहा कि पूर्व में फसल खराबा होने पर गांव अथवा व्यक्तिगत किसान को मुआवजा नहीं मिल पाता था। लेकिन अब प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत एक किसान को भी अपनी फसल के मुआवजे की पूरी राशि सीधे उसके खाते में मिलती है।

नकली बीज, खाद तथा पेस्टिसाइड के खिलाफ बनेगा नया कानून

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वैभवशाली, गौरवशाली, समृद्ध और विकसित भारत का निर्माण हो रहा है। भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है तथा तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश में वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं, ताकि किसानों की आमदनी बढ़े। यूरिया, डीएपी, खाद, बीज सहित सभी कृषिगत संसाधनों पर केन्द्र सरकार द्वारा अनुदान दिया जा रहा है। फसलों की लागत में 50 प्रतिशत मुनाफा जोड़करएमएसपी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा नकली बीज, नकली खाद तथा नकली पेस्टिसाइड के खिलाफ नया कानून भी बनाया जाएगा। साथ ही, विकसित कृषि संकल्प अभियान भी चलाया जाएगा, जिसके तहत वैज्ञानिकों द्वारा गांवों में जाकर किसानों को बीज, खाद तथा उर्वरकों संबंधित जानकारी दी जाएगी।केन्द्रीय कृषि मंत्री ने अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग करने तथा दूसरों को भी इसके लिएप्रेरित करने की आमजन को शपथ दिलाई।

राजस्थान सरकार अन्नदाता को बना रही ऊर्जादाता-शर्मा

किसान हमारा गौरव तथा देश की आत्मा-शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कोई भी देश तभी प्रगति करता है, जब वह आत्मनिर्भर होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर निर्णय ले रही है। उन्होंने कहा कि किसान हमारा गौरव तथा देश की आत्मा है तथा हमारी किसान हितैषी सरकार किसानों और पशुपालकों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 7 करोड़ 4 लाख फसल बीमा पॉलिसी की जा चुकी हैं जो गत सरकार के शुरुआती 2 वर्षों से लगभग 4 गुना अधिक हैं। साथ ही, 1 करोड़ 48 लाख किसानों को फसल बीमा क्लेम का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि कृषक कल्याण की दिशा में भूमि अभिलेख को राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल से जोड़ना, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत 20 लाख से अधिक पशुओं का निशुल्क बीमा, 54 लाख पशुओं को उपचार, सहकारी गोपाल ₹ डिट कार्ड से 45 हजार से अधिक गोपालकों को ऋण, 75 लाख से अधिक किसानों को 42 हजार 131 करोड़ रुपये के अल्पकालिक ब्याजमुक्त फसली ऋण, 9 हजार 205 पीएम किसान समृद्धि केंद्रकी स्थापना जैसे निर्णयलिए हैं।उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों को दिन में बिजली देने के उद्देश्य से कार्य कर रही है, जिससे अन्नदाता किसान ऊर्जादाता भी बन सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने शेखावाटी क्षेत्र में यमुना का पानी लाने के लिए यमुना जल समझौता किया तथा इसका धरातलीय सर्वे भी प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय किसानों के लिए ना कोई नीति थी और ना ही नीयत। लेकिन आज किसान कल्याण की योजनाओं की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके खातों में पहुंचती है।प्रधानमंत्री ने हाल ही में किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त के तहत 20 हजार 500 करोड़ से अधिक की राशि देशभर के 9 करोड़ 70 लाख किसानों के खातों में सीधे ट्रांसफर की, साथ ही प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत कृषक कल्याण के लिए 24 हजार करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त, शुक्रवार) पर विशेष

बंटवारे के बाद बदली अपनी तकदीर, भारत की तस्वीर

देश के बंटवारे की त्रासदी के बावजूद बहुत-से नौजवान बिज़नेस की दुनिया में अपने हिस्से का आसमान छूने का ख्वाब देख रहे थे। उन्हें यकीन था कि मेहनत और ईमानदारी के सहारे बुलंदियों को छूना मुमकिन है। उनमें से कुछ के संघर्षों और कामयाबी की कहानी बता रहा है जागरूक जनता

तांगा चलाने वाला बना मसाला किंग

महाशय धर्मपाल गुलाटी
कहां से आए: सियालकोट से दिल्ली
बिज़नेस: महाशियां दी हट्टी (MDH)
अब कमान किसके पास: महाशय राजीव गुलाटी

महाशय धर्मपाल गुलाटी को भले ही दुनिया मसाला किंग कहती हो, पर वह करोल बाग में बिना चप्पल पहने ही घूमते थे। वह कहते थे, 'करोल बाग मेरे लिए मंदिर की तरह पवित्र है। मैं जब यहां 1947 में सियालकोट (अब पाकिस्तान) से आया तो मेरी उम्र 24 साल थी। हम पिता महाशय चुन्नी लाल, मां चन्नन देवी और भाई-बहनों के साथ करोल बाग की कृष्णा गली के एक छोटे-से घर में रहते थे। वहां रहते हुए ही मुझे कामयाबी मिलने लगी।' उनके पिताजी ने 1919 में सियालकोट में 'महाशियां दी हट्टी' (MDH) नाम से छोटी-सी मसालों की दुकान शुरू की थी। बंटवारे के बाद पिता के साथ उन्होंने यहां भी मसाले बनाने-बेचने शुरू किए। वह दिन में कुतुब रोड से दिल्ली जंक्शन तक तांगा भी चलाने लगे ताकि ज्यादा पैसे कमा सकें। महाशय धर्मपाल बताते थे कि उन्होंने 1954 में करोल बाग में 'रूपक स्टोर्स' खोला। 1959 में कीर्ति नगर में जमीन खरीदकर MDH की पहली मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित की। फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। पूसा इंस्टिट्यूट में काम करते रहे पी.एल. शर्मा ने उन्हें 1960-70 में बुद्ध जयंती पार्क में सुबह सैर करने वालों को नए प्रोडक्ट बेचते देखा।

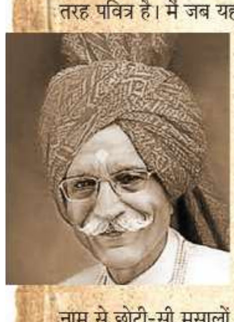

अपनी कंपनी के ब्रैंड ऐंबैसडर

ऐड गुरु प्रसून जोशी कहते हैं कि किसी ऐड में महाशय जी की मौजूदगी भरोसे का प्रतीक होती थी। उन्होंने MDH को दुनिया का बड़ा ब्रैंड बना दिया जो 50 से ज्यादा तरह के मसाले बनाता है। महाशय धर्मपाल गुलाटी के करीबियों को पता है कि वह अपने जीवनकाल में सैकड़ों-हजारों बार पंचकुइयां रोड, लोधी रोड,निगम बोध घाट वगैरह पहुंचे अपने किसी करीबी की अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए। उनका 97 साल की उम्र में 2020 में निधन हो गया।

सब्जी बेचने वाले ने बनाई मोटर साइकल

बृजमोहन लाल मुंजाल
कहां से आए: लाहौर से दिल्ली वाया लुधियाना
बिज़नेस: हीरो ग्रुप
अब कमान किसके पास: पवन कुमार मुंजाल

अगस्त का महीना आते ही हीरो ग्रुप के फाउंडर बृजमोहन लाल मुंजाल के मन में गुजरे दौर की यादें फिर ताज़ा होने लगती थीं। वह यादों में ही लायलपुर (अब पाकिस्तान) में पहुंच जाते थे, जहां वह माता-पिता और दो भाइयों दयानंद व सत्यानंद के साथ रहते थे। किसी ने नहीं सोचा था कि कभी घर-बार छोड़कर जाना पड़ेगा।

क्या करते थे 1947 में

तब बृजमोहन अपने भाइयों के साथ सब्जी का कारोबार करते थे। उसी दौर में साइकल के पुर्जे बनाने के धंधे में किस्मत आजमाई। फिर छोटी-सी जमापूंजी से साइकल के पुर्जों को बड़े शहरों से खरीदकर लाहौर में बेचना शुरू किया। वह बताते थे कि तब लाहौर में साइकल के पुर्जे आसानी से नहीं मिलते थे। वह दिल्ली और दूसरे शहरों से पुर्जे मंगवाने लगे। वह रावलपिंडी, मुल्तान, अमृतसर में भी पुर्जे सप्लाई करने लगे।

बंटवारे के बाद

मुंजाल परिवार अमृतसर आ गया और फिर वहां से लुधियाना। अब शुरू हुई ज़िंदगी के बिखरे हुए तिनकों को जोड़ने की कोशिश। उन्होंने सोच लिया था कि अब साइकल के पुर्जे बनाएंगे और इसके बाद उन्होंने लुधियाना में पुर्जे बनाने शुरू किए। फिर साइकल बनाकर इतिहास बना लिया। उनकी सरपरस्ती में पहले हीरो साइकल और उसके बाद हीरो मोटर साइकल ने बाज़ार पर कब्जा किया। उनकी जेब में हमेशा दो-तीन रंगों के पेन होते थे। कोई लिखने के लिए पेन मांगता तो वह उसी को गिफ्ट कर देते थे। 2015 में 92 साल की उम्र में उनका निधन हो गया।

मेहनत से चलाया किस्मत का 'पहिया'

रौनक सिंह
कहां से आए: लाहौर से दिल्ली
बिज़नेस: अपोलो टायर्स
अब कमान किसके पास: ओंकार सिंह कंवर

राजधानी दिल्ली के तानसेन मार्ग पर भारतीय उद्योग और व्यापार मंडल (फिक्की) के हेड आफिस में इसके सभी अध्यक्षों की फोटो दीवारों पर करीने से लगी है। इनमें रौनक सिंह की भी फोटो है। वह 1989 में फिक्की के अध्यक्ष थे। जरा सोचिए कि जो शख्स 1947 में इस शहर में लाहौर से खाली हाथ आया था उसने कितना मेहनत की होगी कि वह चार-साढ़े चार दशकों में देश के प्रमुख कारोबारियों की जमात में शामिल हो गया।

स्टील पाइप की दुकान में काम

रौनक सिंह लाहौर में स्टील पाइप की दुकान में काम करते थे। बंटवारे के बाद दिल्ली में उनका परिवार शरणार्थी के रूप में गोल मार्केट में एक कमरे में 13 लोगों के साथ रहा। रौनक सिंह ने छोटे-छोटे काम किए। अजमेरी गेट पर 'मुनिलाल बजाज एंड कंपनी' नाम की दुकान और फिर हौजकाजी में भी काम किया। पर उनका सपना बड़ा था। 8 हज़ार रुपये में पत्नी के गहने बेचकर बिज़नेस करने कोलकाता पहुंच गए।

ओपोलो टायर से हुआ नाम

रौनक सिंह के बिज़नेस ग्रुप में अपोलो टायर्स लिमिटेड, भारत स्टील ट्यूब्स लिमिटेड, भारत गियर्स लिमिटेड शामिल हैं। साल 1975 में केरल सरकार से टायर बनाने का लाइसेंस लेकर अपोलो टायर्स की शुरुआत हुई थी। 30 सितंबर 2002 को 79 साल की उम्र में उनका निधन हो गया।

वकील बनने के संघर्ष से 'शोले' तक

जी.पी. सिप्पी
कहां से आए: कराची से मुंबई
बिज़नेस: फिल्मों का निर्माण
अब कमान किसके पास: रमेश सिप्पी

जी.पी. सिप्पी की ज़िंदगी में 15 अगस्त 1947 और 15 अगस्त 1975 बहुत खास दिन रहे। पहला इसलिए क्योंकि उस दिन भारत बंट गया था। हालांकि, उन्हें लगता था कि वह अपने शहर कराची में ही बिज़नेस करते रहेंगे। फिर एक घटना ने उनका फैसला बदल दिया। यह बात उन्होंने 'शोले' फिल्म के 25 साल पूरे होने के जश्न के मौके पर कही थी। 'शोले' 15 अगस्त को अपनी रिलीज़ का आधी सदी का सफर पूरा कर लेगी।

सिपाहीमलानी क्यों हुआ सिप्पी?

जी.पी. सिप्पी का सरनेम 'सिपाहीमलानी' था, पर इसे बोलना मुश्किल था इसलिए 'सिप्पी' कर दिया। उनके पिता, परमानंद सिपाहीमलानी कारोबारी थे। जी.पी. सिप्पी वकील बनना चाहते थे। कराची का शानदार घर, बिज़नेस छोड़ उन्हें मुंबई में नए सिरे से जीवन शुरू करना था। दोस्त राम जेठमलानी के साथ मेट्रोपॉलिटन मैजिस्ट्रेट कोर्ट में पुलिस प्रॉसिक्यूटर के लिए आवेदन किया। यह मौका नहीं मिला और किस्मत सिनेमा की दुनिया में ले आई। 1950 के दशक में सिप्पी फिल्म्स की स्थापना की। फिर 'मरीन ड्राइव' (1955), 'शाही बाजार' (1957), 'ब्रह्मचारी' (1968), 'सीता और गीता' (1972), 'शान' (1980) और 'सागर' (1985) जैसी फिल्में भी बनाईं। ढाई साल में करीब 3 करोड़ रुपये में बनी 'शोले' ने इतिहास बनाया। 25 दिसंबर 2007 को 93 साल की उम्र में जी.पी. सिप्पी का निधन हो गया।

जब 'महिंद्रा एंड मोहम्मद' का हुआ बंटवारा

के.सी. महिंद्रा और जे.सी. महिंद्रा
बंटवारे में कंपनी के सह-संस्थापक गए पाक
बिज़नेस: ऑटो, IT, टूरिज़म आदि
अब कमान किसके पास: आनंद महिंद्रा

महिंद्रा ग्रुप देश की कॉरपोरेट दुनिया का बेहद सम्मानित नाम है। इस ग्रुप की स्थापना बंटवारे से पहले 1945 में हो गई थी। तब इसका नाम था 'महिंद्रा एंड मोहम्मद'। इसकी शुरुआत के.सी. महिंद्रा, जे.सी. महिंद्रा और मलिक गुलाम मोहम्मद ने की थी। यह कंपनी स्टील ट्रेडिंग और विल्स जीप जैसी गाड़ियों के एक्सपोर्ट और असेंबलिंग के बिज़नेस से जुड़ी थी। देश बंटा तो सह-संस्थापक मलिक गुलाम मोहम्मद ने पाकिस्तान जाने का फैसला किया। वह पहले वित्त मंत्री बने। महिंद्रा ग्रुप के मौजूदा चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने 2007 में लेखक को बताया था कि गुलाम मोहम्मद के पाकिस्तान चले जाने से कंपनी को झटका लगा था क्योंकि वह फाइनैंस मैनेजमेंट में माहिर थे।

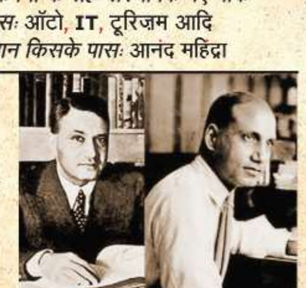

जीप बनाई और ट्रैक्टर भी

फिर कंपनी का नाम बदलकर 'महिंद्रा एंड महिंद्रा' हुआ और के.सी. महिंद्रा और जे.सी. महिंद्रा ने कंपनी का पुनर्गठन किया। इसे देश के इंडस्ट्रियल डिवेलपमेंट के साथ जोड़ने का फैसला किया। 1948 में कंपनी ने विल्स जीप को देश में ही बनाने का एक समझौता किया। तब कंपनी ने ऑटोमोबाइल, ट्रैक्टर और दूसरी इंडस्ट्री में भी अपनी मौजूदगी मजबूत की। कंपनी ने 1949 में ट्रैक्टर डिविजन शुरू किया जो भारत की कृषि-प्रधान अर्थव्यवस्था के लिए खास कदम था।

चुनौतियों को अवसरों में बदला

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी ग्लोबल पहचान बनाई। आज महिंद्रा ग्रुप ऑटोमोबाइल, एयरोस्पेस, IT, रियल एस्टेट आदि क्षेत्रों में आगे है। बंटवारे के बाद कंपनी ने न सिर्फ अपना अस्तित्व बनाए रखा बल्कि देश को तरक्की की राह पर ले गई।

सम्पादकीय

अमेरिका को भारत का संदेश

प्रधानमंत्री मोदी ने एमएस स्वामीनाथन शताब्दी सम्मेलन में अमेरिकी टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत किसानों के हितों से समझौता नहीं करेगा। ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ को भारत ने अनुचित बताया है। भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए बाजार खोलने के दबाव में है, जो राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते दिनों एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अमेरिकी टैरिफ पर पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अमेरिका या डॉनल्ड ट्रंप का नाम लिए बगैर कहा कि किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों के साथ भारत कभी समझौता नहीं करेगा। भारत ने इससे पहले ट्रंप के 50% टैरिफ को अनुचित, अन्यायपूर्ण और तर्कहीन बताया था।

ट्रंप बातें रूस की कर रहे हैं, लेकिन समझना मुश्किल नहीं है कि उनकी निराशा के मूल में भारत के साथ अटकी ट्रेड डील भी है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेयरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपना बाजार खोले। लेकिन, भारत के लिए यह राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील मुद्दा है। देश की बड़ी आबादी खेती पर आश्रित है और किसान आर्थिक रूप से सशक्त नहीं हैं। फिर वे सब्सिडाइज्ड अमेरिकी प्रॉडक्ट्स से होड़ नहीं कर सकते। पीएम मोदी ने अपने भाषण के जरिये भारत का यही पक्ष रखा है। ट्रंप इस चिंता को शायद ही समझें, क्योंकि अब ऐसा लग रहा है कि अपनी हर नाकामी का ठीकरा फोड़ने के लिए उन्हें कोई देश चाहिए। अमेरिका में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी का दबाव व यूक्रेन युद्ध न रुकवा पाने की हताशा ट्रंप के फैसलों में झलक रही है। पहले उन्होंने चीन पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन जब वहां से 'रेयर अर्थ मिनरल्स' के रूप में झटका लगा, तो भारत और रूस से अपनी बात मनवाना चाहते हैं। ट्रंप का मानना है कि रूस तेल बेचकर युद्ध लड़ने के लिए संसाधन जुटा रहा है। हालांकि उन्होंने इस सच से आंखें मूंद ली हैं कि मॉस्को का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार चीन है। और, भारत के अलावा यूरोपीय यूनियन और यहां तक कि खुद अमेरिका भी रूस से व्यापार जारी रखे हुए है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस व्यापार का पूरा डेटा सामने रखकर अमेरिका की पोल खोल दी थी। भारत अपनी जरूरत का 85% तेल आयात करता है। रूस से तेल खरीद घरेलू ही नहीं, ग्लोबल ऑयल मार्केट को भी स्थिर रखता है। अमेरिका की पिछली बाइडन सरकार ने भारत के रूस से तेल खरीदने की सराहना की थी क्योंकि उससे बाजार में स्थिरता बनी रही। लेकिन, ट्रंप इन सारी बातों को दरकिनार कर रहे हैं।

ट्रंप न अपने बयानों पर स्थिर रहते हैं और न पॉलिसी पर। जिन देशों ने उनके साथ डील की है, उन्हें भी कोई फायदा नहीं हुआ। ब्रिटेन, वियतनाम से डील के बावजूद टैरिफ बढ़ रहा है। इसी तरह, EU के कई देश नाराज हैं क्योंकि आयात शुल्क औसत 4.8% से बढ़कर अब 15% हो चुका है। यानी किसी भी सूरत में टैरिफ की स्थिति पहले वाली नहीं रहेगी। इसलिए भारत को किसी दबाव में नहीं आना चाहिए। खैर, इसी महीने अमेरिकी टीम व्यापार वार्ता के लिए भारत आ रही है। आशा है कि दोनों देश कोई रास्ता निकालेंगे। लेकिन इसके साथ भारत को यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौता जल्द करना चाहिए और अन्य देशों के साथ भी ऐसी डील करनी चाहिए ताकि देश का निर्यात लगातार बढ़ता रहे।

भारत को चाहिए कि वह ट्रंप के आरोपों और धमकियों के जवाब उचित तथ्यों और तर्कों के साथ दे, जो वह दे भी रहा है। इतना ही नहीं, उसे यह भी स्पष्ट कर देना चाहिए कि वैश्विक ऊर्जा व्यापार में उसकी नीतियां केवल राष्ट्रीय हितों पर आधारित हैं। वैसे, हम चाहें, तो इस आपदा को अवसर बना सकतेहैं।

भारत के लिए अवसर बनेगी यह आपदा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

दिलीप शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

अमेरिका ने भारतीय उत्पादों के आयात पर 25 फीसदी सीमा शुल्क वसूलना शुरू कर दिया है, जबकि बतौर जुर्माना अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ शुरू करने का भी एलान कर दिया है। इसका भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। भले ही हम स्वदेशी की बात कह रहे हैं, लेकिन इसका बहुत ज्यादा फायदा नहीं होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर जो 25 फीसदी शुल्क लगाने का निर्णय लिया है, वह शायद अंतिम दर न हो। अगर वह भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद बढ़ाने पर लगाने वाले जुर्माने की अपनी धमकी पर अमल करते हैं तो यह दर और भी अधिक हो सकती है। वहीं अगर भारत के वार्ताकार अंतिम समय में किसी तरह का व्यापक समझौता कर पाने में कामयाब होते हैं तो यह दर कम भी हो सकती है। यह भी गौर करने लायक है कि इस प्रमुख शुल्क दर के कई अपवाद भी होंगे। कुछ वस्तुएं जो भारत-अमेरिका व्यापार का एक बड़ा हिस्सा तैयार करती हैं जैसे मोबाइल फोन, उनके लिए ट्रंप की घोषणा से परे अलग शुल्क दर हो सकती है। अमेरिकी प्रशासन अपनी शुल्क दरों के मुद्रास्फीति संबंधी प्रभाव को कम से कम करने के लिए उत्सुक है। अमेरिकी बाजारों के लिए तैयार होने वाले आईफोन का अधिकांश हिस्सा अब भारत में असेंबल किया जाता है, चीन में नहीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारत-विरोधी रवैया हमारे लिए अवसर लेकर आया है। उनका टैरिफ युद्ध केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने कई अन्य देशों को भी अपनी चपेट में ले रखा है। ऐसेमें, यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारत-विरोधी रवैया हमारे लिए अवसर लेकर आया है। उनका टैरिफ युद्ध केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने कई अन्य देशों को भी अपनी चपेट में ले रखा है। ऐसेमें, यह बहुत जरूरी है कि नई दिल्ली स्पष्ट और ठोस संदेश दे कि भारत किसी भी बाहरी दबाव में झुकने वाला नहीं है। ट्रंप का आरोप है कि भारत, रूस सेतेल खरीदकर यूक्रेन युद्ध में रूसी राष्ट्रपति पुतिन की मदद कर रहा है, लेकिन यह आधा सच है। हकीकत यह हैकि खुद अमेरिका, रूस से यूरेनियम और उर्वरक खरीदता है और यूरोपीय देश अब भी रूसी गैस के बड़े खरीदार हैं। ऐसे में, भारत को नैतिकता का पाठ पढ़ाना ट्रंप के दोहरेपन को उजागर करता है। उधर एक अमेरिकी अदालत ट्रंप के टैरिफ वार को लेकर अधिकारों के अतिक्रमण की सुनवाई कर रही है, तो इधर मोदी सरकार ने साफ कर दिया है

कि किसानों, मछुआरों और डेयरी उत्पादकों के हितों से कोई समझौता नहीं होगा। यह रुख न केवल आर्थिक दृष्टि से सही है, बल्कि राजनीतिक रूप से भी आवश्यक है, क्योंकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था भारत की रीढ़ है। यदि भारत अमेरिकी उत्पादों के लिए अंधाधुंध अपने बाजार खोल देता है, तो यह हमारे लाखों किसानों और छोटे उत्पादकों की आजीविका पर सीधा प्रहार होगा। हालांकि, विपक्ष इस मुद्दे पर हमलावर है, मगर उसे यह समझना चाहिए कि यह वक्त राजनीति करने का नहीं है। आपसी विभाजन और अविश्वास हमारी कूटनीतिक स्थिति को कमजोर करते हैं। जब किसी देश के भीतर ही उसकी नीतियों को राजनीतिक लाभ-हानि के चश्मे से देखा जाता है, तो बाहरी ताकतों द्वारा उस देश पर दबाव बनाना आसान हो जाता है।

भारत को चाहिए कि वह ट्रंप के आरोपों और धमकियों के जवाब उचित तथ्यों और तर्कों के साथ दे, जो वह दे भी रहा है। इतना ही नहीं, उसे यह भी स्पष्ट कर देना चाहिए कि वैश्विक ऊर्जा व्यापार में उसकी नीतियां केवल राष्ट्रीय हितों पर आधारित हैं। वैसे, हम चाहें, तो इस आपदा को अवसर बना सकतेहैं। टैरिफ युद्ध से प्रभावित अन्य देशों के साथ मिलकर हमें एक साझा रणनीति बनानी चाहिए। ट्रंप के इस रवैये के खिलाफ भारत को अपनी कूटनीतिक क्षमता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय एकता प्रदर्शित करनी चाहिए। अगर हम आंतरिक मतभेदों सेऊपर उठकर एकजुट होकर जवाब दें, तो न केवल इस चुनौती का सामना कर पाएंगे एं, बल्कि इसे अपने दीर्घकालिक हित में अवसर भी बना सकेंगे। स्वदेशी पर दिया जा रहा जोर इसी दिशा में आगे बढ़ने का संकेत है।

अमेरिका ने भारतीय उत्पादों के आयात पर 25 फीसदी सीमा शुल्क वसूलना शुरू कर दिया है, जबकि बतौर जुर्माना अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ शुरू करने का भी एलान कर दिया है। इसका भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। भले ही हम स्वदेशी की बात कह रहे हैं, लेकिन इसका बहुत ज्यादा फायदा नहीं होगा। इसका गणित बिल्कुल सीधा है। दरअसल, सीमा शुल्क के बढ़ने से अमेरिका में भारतीय उत्पादों की कीमतें बढ़ जाएंगी, जो बढ़ भी गई हैं। इस कारण वहां इन उत्पादों का प्रतिस्पर्द्धा में टिके रहना मुश्किल हो जाएगा। जाहिर है, जब इनकी खरीदारी कम होगी, तो यहां भारत में उनका उत्पादन कम होता जाएगा। इससे कंपनियों की बैलेंस-शीट प्रभावित होगी और वे छंटनी करने पर मजबूर होंगी। इसी कारण सभी अर्थशास्त्री कहने लगे हैं कि इन सबसे खास तौर से अनौपचारिक अर्थव्यवस्था से जुड़े लोगों की आजीविका, जो संख्या-बल में औपचारिक ट्रंप के टैरिफ-वार से भारतीय सामान अमेरिका में दोगुने महंगे हो जाएंगे, जिसके चलते वहां भारतीय वस्तुओं की बिक्री घट जाएगी। मांग घटनेसेभारतीय उत्पादों को उत्पादन घटाना पड़ेगा, जिसके चलतेभारत में बेरोजगारी बढ़ना स्वभाविक है। इस टैरिफ-वृद्धि का भारत पर भयंकर असर पड़ना शुरू भी हो गया है। शेयर बाजार मेंलगातार गिरावट जारी है। देश मेंआठ करोड़ नौकरियों पर संकट आ गया है। भारत का ऊर्जा, रक्षा व आर्थिक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की तरफ तेजी से आगे बढ़ना और रूस से तेल व हथियारों की खरीदारी करना ट्रंप को नहीं भा रहा है। चीन भारत का खुला दुश्मन है, अमेरिका छिपा हुआ। येदोनों पाकिस्तान के हितैषी हैं, क्योंकि दोनों भारतीय उप-महाद्वीप मेंअपना दबदबा चाहतेहैं। अमेरिका कभी भी भारत का हितैषी नहीं रहा है। इस टैरिफ-वार में हमें नुकसान ही हो रहा है। फिर भी न जाने क्यों भारत रूस की दोस्ती त्यागकर अमेरिका का पिछलग्गू बना हुआ है। वक्त आ गया हैकि भारत अपनी विदेश नीति पर फिर सेगौर करे।

(ये लेखक के अपने विचार है)

डूंगरी बांध पर क्यों उठ रहे विरोध के स्वर?

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

राजस्थान के करौली व सवाई माधोपुर जिलों के मध्य बनास नदी पर बन रहे डूंगरी बांध का विरोध बढ़ता ही जा रहा है। बांध बनने से प्रभावित होने वालों में बच्चे, बड़े और महिलाएं सभी शामिल हैं और सभी अपने-अपने तरीके से इस बांध का विरोध कर रहे हैं। डूंगरी बांध के विरोध में संघर्ष समिति का भी गठन हो चुका है जो अपनी आवाज को आंदोलन और ज्ञापनों के माध्यम से संबंधित अधिकारी एवं जन नेताओं, यहां तक कि दिल्ली तक भी पहुंचा रही है। असल में इस बांध के बनने से 76 गांवों के लोग प्रभावित हो रहे हैं। जबकि जन प्रतिनिधि एवं सरकार के नुमाइंदे मात्र 8-9 गांवों के प्रभावित होने की बात कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हमें यहां इस बांध की जरूरत नहीं है। हमें आज दिन तक पानी की समस्या से रूबरू नहीं होना पड़ा है। डूंगरी बांध विरोध आंदोलन संघर्ष समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने पिछले दिनों जयपुर में कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा से भी मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा है। मगर कृषि मंत्री मीणा ने साफ शब्दों में कह दिया है कि इस बांध के निर्माण को रुकवाना मेरे अकेले के वश की बात नहीं है। हालांकि मंत्री ने संघर्ष समिति के साथ रहने का आश्वासन जरूर दिया। सांसद हरीशचंद्र मीणा ने जल संसाधन मंत्री तक विरोध की बात तो पहुंचाई है, मगर कोई जन नेता खुलकर डूंगरी बांध परियोजना के विरोध में नहीं आ रहे हैं जबकि स्थानीय जनता इस परियोजना के पूरी तरह खिलाफ है। सोचनीय विषय यह है कि इस बांध का इतने बड़े स्तर पर विरोध क्यों हो रहा है। पहली बात तो इस बांध के बनने से 76 गांव प्रभावित हो रहे हैं जबकि सरकार मात्र 8-9 गांवों का ही विस्थापन बता रही है। अगर वास्तव में 76 गांव प्रभावित हो रहे हैं तो इतनी बड़ी संख्या में प्रभावितों को बसाने की क्या व्यवस्था होगी, लोग बड़ी संख्या में अपने पूर्वजों के बसाए आशियाने और आजीविका के लिए खेती की जमीन से वंचित हो जाएंगे और उनकी सांस्कृतिक पहचान पर भी प्रभाव पड़ सकता है। जानकारी के अनुसार बांध बनाने के लिए 12 हजार हेक्टेयर भूमि चिन्हित की गई है जो कि बहुत बड़ा भू-भाग है। इस भूमि से प्राकृतिक संपदा और वनस्पति सब कुछ नष्ट हो जाएंगे। पेड़-पौधे जड़ी-बूंटी, जीव-जंतु सब प्रभावित होकर नष्ट हो जाएंगे। क्षेत्र के पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। बांध बनने से जल संसाधनों के प्रबंधन पर भी प्रभाव पड़ सकता है जिससे क्षेत्र में जल की कमी या फिर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। प्रस्तावित डूंगरी बांध के निर्माण को लेकर सवाई माधोपुर और करौली जिलों के लोगों में भय व्याप्त हो गया है, क्योंकि डूंगरी बांध 39 मीटर ऊंचा और 1.6 किलोमीटर लंबा होगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि बांध के कारण उनके घर, खेत, मंदिर, मस्जिद व अन्य धरोहरें डूब जाएंगी। बांध के विरोध में महापंचायतों में जुटने वाली भीड़ को देखकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितना भारी विरोध हो रहा है लोग इसे विकास के बजाए विनाश की योजना बता रहे हैं। लोग 'एक ही बात, एक ही मांग, डूंगरी बांध योजना निरस्त हो' के नारे लगा रहे हैं। इन सब हालातों को देखते हुए लगता है कि डूंगरी बांध निर्माण की योजना साकार होगी भी या नहीं। अगर हुई तो कितने बड़े आंदोलन को कुचलकर साकार होगी। इसका अंदाजा महापंचायतों में उमड़ने वाली भीड़ को देखकर लगाया जा सकता है।

हिमांशु मीणा
समाजविद्
@jagrukjanta.net

(ये लेखक के अपने विचार है)

आखर आखर झरे उजियार

भावुक और सम्वेदनशील थे मुंशी प्रेमचंद

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद साहित्य लिखते ही नहीं थे अपितु साहित्य को जीते थे। दुःखी और दरिद्र की पीड़ा को अपनी कलम से व्यक्त करने के साथ ही यथासम्भव उसकी पीड़ा को हरने का प्रयास भी करते थे।

प्रेमचंद सादगी और सरलता की प्रतिमूर्ति थे। उनके पास कम से कम सामान और वस्त्र आदि थे। एक कोट था, जो कई जगह से कट फट गया था, लेकिन सर्दी में वो उसे पहनना नहीं छोड़ रहे थे। उनकी पत्नी शिवरानी देवी अनेक बार उनसे आग्रह कर चुकी थी कि नया कोट बनवा लें। परन्तु वे पैसे की कमी बतला कर टाल दिया करते थे। एक दिन शिवरानी ने अपनी बचत में से कुछ रुपये निकाल कर उनको दिए और कहा, बाजार जाकर कोट का अच्छा सा कपड़ा ले आओ।

प्रेमचंद जी ने कहा, अच्छी बात। आज कोट का कपड़ा जरूर ले आऊंगा।

शाम को जब वो घर लौटे तो शिवरानी ने पूछा, कोट का कपड़ा आज भी नहीं लाए ऐसा क्यों ?

प्रेमचंद कुछ देर मौन रहकर बोले,मैं कपड़ा लेने ही जा रहा था कि राह में प्रेस का एक कर्मचारी मिल गया। उसने कहा, बेटी की शादी में पैसे कम पड़ रहे हैं।पैसे का जुगाड़ नहीं हो पाया। उसकी लाचारी और उदासी मुझ से देखी नहीं गई। मैंने कोट वाले सारे रुपये उसे दे दिए। कोट तो फिर भी बन सकता है,उसकी बिटिया की शादी की तारीख तो टल नहीं सकती, भाग्यवान !

शिवरानी बोली, मुझे पता था ऐसा ही होगा। आपको तो प्रेसकर्मी नहीं तो कोई और मिल जाता। आपके हाथ में पैसे देने का कोई मतलब नहीं है।

प्रेमचंद पत्नी के व्यंग्य वचन सुनते रहे, बिल्कुल शांत और मन्द मन्द मुस्कान के साथ।

आज यदि विश्व के नीति निर्माताओं, नेताओं और राष्ट्राध्यक्षों के पास वंचितों के प्रति ऐसी करुणा और सम्वेदनशीलता हो तो व्यक्तियों, जातियों, संस्थाओं और राष्ट्रों के बीच की सब दीवारें गिर जाएं।

(यह लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

भौंरा यदि एक ही कमल के गंध में आसक्त हो जाए तो रात्रि के समय उसमें बंद हो जाने से नष्ट हो जाता है, वैसे ही संन्यासी को चाहिए वह संग्रह न करे नहीं तो मधुमक्खियों की तरह उसका जीवन भी दूभर हो जाएगा।

13. हाथी- जैसे हथिनी के अंग संग से हाथी बंध जाता है वैसे ही यदि संन्यासी स्त्रियों का संग करेगा तो वह भी बंध जाएगा। विवेकी पुरुष को चाहिए, वह स्त्री को कभी भी भोग्या रूप में स्वीकार न करें, क्योंकि यह उसकी मूर्तिमती मृत्यु है।

14. शहद निकालने वाला- जैसे मधु निकालने वाला मधुमक्खियों द्वारा संचित किये हुए मधु को उनके उपभोग करने के पहले ही निकालकर ले जाता है, वैसे ही संसार के लोभी पुरुषों द्वारा बड़ी कठिनाई से इकट्ठा किया हुआ धन न वे दान करते हैं, न स्वयं भोग करते हैं, दूसरी उसे ले लेते हैं।

15. हरिन- जैसे हरिन व्याघ्र के गीत से मोहित होकर बंध जाता है वैसे ही विषय संबंधी गीत आदि वार्ता सुनने से संन्यासी की गति होती है।

16. मछली- जैसे मछली कांटे में लगे हुए मांस के टुकड़े या आटे की गोली के लोभ से अपने प्राण गंवा देती है,

क्रमशः

ओपिनियन

शरीर नहीं मन की थकान : कुछ अधूरापन सा है...

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

शरीर और मस्तिष्क का संबंध गहरा होता है। शरीर की पार्थिव स्थिति में मस्तिष्क भी पार्थिव हो जाता है। किन्तु चेतना में शरीर पार्थिव हो जाए तो भी मस्तिष्क क्रियाशील रहता है। इसी कड़ी में जब शरीर की थकान के साथ-साथ मस्तिष्क की थकान सार्वभौमिक (बाहरी) होने लगे तो व्यक्ति शून्य होने लगता है। कभी-कभी शरीर की थकान व्यक्ति को उतना बोझिल नहीं बनाती जितना मन की थकान व्यक्ति को शांत कर देती है। अन्दर ही अन्दर समुद्र सा ज्वार चलता रहता है। इसके अलावा कुछ थकानें शरीर की होती हैं जिन्हें नींद से मिटाया जा सकता है। पर कुछ थकानें आत्मा की होती हैं जिन्हें सिर्फ़ आत्मस्वीकृति ही हल्का कर सकती है। हमारी ज़िंदगी में जो सबसे गहरी थकावट होती है, वह भागदौड़ की नहीं होती। वह उस अधूरेपन की होती है, जिसे हम हर रोज़ महसूस करते हैं लेकिन बोल नहीं पाते। ये अधूरापन उस किताब की तरह है जो कभी लिखी नहीं गई, उस गीत की तरह जो कभी गाया नहीं गया, उस यात्रा की तरह जो कभी शुरू ही नहीं हुई। हर इंसान के भीतर कुछ ऐसी इच्छाएं होती हैं जो कभी खुलकर ज़ुबान पर नहीं आ पातीं। कभी ज़िम्मेदारियों के नीचे दब जाती हैं, कभी डर के साए में छुप जाती हैं। और धीरे-धीरे ये अधूरी इच्छाएं, मन में एक कोना घेर लेती हैं, जहां हम मुस्कराते हुए

भी उदास रहते हैं। हमारी समस्या यह नहीं कि हमें कुछ नहीं मिला। समस्या यह है कि हम नहीं जानते कि जो चाहिए था, वो कभी मांगा भी या नहीं। हम सिर्फ़ उस राह पर चलते गए जो सबसे आसान लगी, सबसे स्वीकार्य लगी या जहां सबसे ज़्यादा तालियां मिलती थीं। पर भीतर की सच्ची इच्छा क्या थी उससे हमने मुंह मोड़ लिया। और यही आत्मा की थकान की जड़ है- एक अधूरे जीवन का बोझ, जिसे हम पूरे जीवन ढोते हैं। सोचिए, कितनी बार आपने अपनी किसी गहरी चाह को केवल इस डर से दबा दिया कि लोग क्या कहेंगे? या इसलिए कि वो रास्ता आर्थिक रूप से सुरक्षित नहीं था? या इसलिए कि कोई और उस इच्छा को 'बड़ा सपना' नहीं मानता था? हम अक्सर दूसरों की परिभाषाओं के अनुसार अपने सपनों का आकार तय करते हैं। पर सच्ची बात यह है कि कोई भी सपना छोटा नहीं होता अगर वह आपके दिल से निकला हो। और कोई भी मंज़िल सस्ती नहीं होती अगर वह आत्मा को सुकून देती हो। दुनिया में सबसे ज़्यादा थकान उस इंसान को होती है जिसने अपनी आवाज़ को कभी सुना ही नहीं। जो हर वक्त दूसरों की अपेक्षाओं के हिसाब से जीता रहा, जो हर दिन कुछ न कुछ छोड़ता रहा अपने भीतर का और एक दिन खुद ही अपने भीतर खो गया।

कुछ लोग इस थकान से उबरने के लिए नए शौक अपनाते हैं, यात्राएं करते हैं, ध्यान या मेडिटेशन का सहारा लेते हैं, पर जब तक भीतर की उस अधूरी इच्छा को पहचानकर स्वीकार नहीं करते, तब तक कोई उपाय स्थायी राहत नहीं देता। इसलिए सबसे पहली ज़रूरत है अपनी उस इच्छा को दोबारा देखने की, जिसे आपने कभी डर, शर्म या जिम्मेदारी के नाम पर दबा दिया था। चाहे वो कोई कला हो, कोई भाषा हो, कोई रिश्ता हो, कोई मिशन हो। कोई फर्क नहीं पड़ता आपने उसे कितने सालों से दबा रखा है। अगर वह सच्चा है, तो वह आज भी आपके भीतर सांस ले रहा है। उसे पहचानिए। उसे लिखिए। उसे स्वीकार कीजिए- बिना शर्म, बिना अपराधबोध। और अगर अभी भी उसे जीना संभव है, तो किसी छोटे से क़दम से शुरू कीजिए। क्योंकि अधूरी इच्छाएं तभी तक थकाती हैं जब तक हम उन्हें टालते हैं। जैसे ही आप उनके पास लौटते हैं, वे बोझ नहीं रहतीं। वे ऊर्जा बन जाती हैं।

याद रखिए, जीवन का असली भार वह नहीं जो बाहर है, बल्कि वह है जो भीतर से टाला गया है। इसलिए अगर आप हर वक्त थका हुआ महसूस करते हैं, तो एक बार पूछिए खुद से, क्या मेरी कोई इच्छा अधूरी रह गई है? क्योंकि संभव है कि आपकी थकान किसी नींद की नहीं बल्कि एक अनसुने सपने की पुकार हो।

5 साल बाद भारत-चीन के बीच सीधी उड़ानें अगले महीने से हो सकती हैं शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच रिश्तों में सुधार के संकेत दिख रहे हैं। खबर है कि दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें अगले महीने से फिर शुरू हो सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत सरकार ने एयर इंडिया और इंडिगो जैसी विमानन कंपनियों को चीन के लिए उड़ानें शुरू करने की तैयारी करने को कहा है। यह कदम दोनों देशों के बीच तनाव कम होने की दिशा में एक बड़ा संकेत माना जा रहा है। कोविड-19 महामारी के बाद से भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें लगभग 5 साल से बंद थीं। इसके अलावा, जून 2020 में लद्दाख के गलवान घाटी में दोनों देशों की सेनाओं के बीच हुई हिंसक झड़प ने रिश्तों को और तनावपूर्ण बना दिया था। यह झड़प दशकों में दोनों देशों के बीच सबसे गंभीर सैन्य टकराव था, जिसके बाद दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर सैनिकों की तैनाती बढ़ा दी थी।

सैन्य और कूटनीतिक बातचीत से पिघली बर्फ

पिछले कुछ सालों में दोनों देशों ने सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर कई दौर की बातचीत की। कुछ विवादित इलाकों में तनाव कम करने के लिए सैनिकों को पीछे हटाया गया, लेकिन कई मुद्दे अभी भी अनसुलझे हैं। इसके चलते दोनों देशों की जनता प्रभावित हुई और साथ ही साथ आर्थिक नुकसान भी हुआ। भारत ने चीनी निवेश पर सख्ती की, आयात पर नजर रखी और उड़ानें भी बंद रहीं। लेकिन हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच बातचीत बढ़ी है, जिससे रिश्तों में कुछ नरमी देखने को मिल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के लिए चीन के तियानजिन जाएंगे। यह उनकी 2019 के बाद पहली चीन यात्रा होगी। चीन ने प्रधानमंत्री मोदी के दौरे का स्वागत किया है और इसे एकजुटता, दोस्ती और सकारात्मक नतीजों वाला आयोजन बताया है। हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर भी SCO से जुड़े कार्यक्रमों के लिए चीन गए थे। ये मुलाकातें दोनों देशों के बीच तनाव कम करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही हैं।

पंचांग

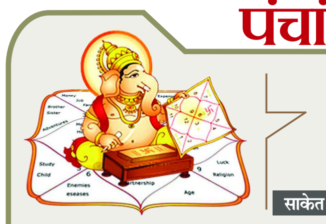

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 13/08/2025

सूर्योदय : 06:01 **सूर्यास्त :** 19:01 **चन्द्रोदय :** 21:39 **चन्द्रास्त :** 09:46 **शक सम्वत :** 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत् :** 2082 कालयुक्त **अमान्ता महीना :** श्रावण **पूर्णिमांत :** भाद्रपद **सूर्य राशि :** कर्क **चन्द्र राशि :** मीन **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** चतुर्थी, 06:36 तक **वार :** बुधवार **द्रिक-वैदिक ऋतु :** वर्षा **द्रिक-वैदिक अयनः** दक्षिणायन

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : उत्तरभाद्रपदा, 10:23 तक
योग : धृति, 16:01 तक
प्रथम करण : बालवा, 06:36 तक
द्वितीय करण : कौवाला, 17:29 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:23 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:45 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:38 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:02 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:02 पी एम से
अमृत काल	06:00 ए एम से
निशिता मुहूर्त	12:04 ए एम, अगस्त 14 से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : उत्तर में
होमाहुति : मंगल, गुरू

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06:00 - 07:37	उद्वेग	19:00 - 20:23
अमृत	07:37 - 09:15	शुभ	20:23 - 21:45
काल काल वेला	09:15 - 10:53	अमृत	21:45 - 23:08
शुभ	10:53 - 12:30	चर	23:08 - 00:30
रोग वार वेला	12:30 - 14:08	रोग	00:30 - 01:53
उद्वेग	14:08 - 15:45	काल	01:53 - 03:15
चर	15:45 - 17:23	लाभ	03:15 - 04:38
लाभ	17:23 - 19:00	उद्वेग	04:38 - 06:00

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज चतुर्थी

आज कौन सा कार्य करें

चतुर्थी, नवमी व चतुर्दशी रिक्ता तिथियां हैं। इनमें कोई भी मांगलिक कार्य नहीं करने चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋय दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

भाद्रपद, कृष्ण, चतुर्थी, 2082 बुधवार, 13 अगस्त - 19 अगस्त, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
कम समय में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मध्यान पश्चात मित्र-परिजनों के साथ मनोरंजन के अवसर मिलेंगे धार्मिक कार्यो में भी उपस्थिति देंगे। उत्तम भोजन वाहन सुख मिलेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
क्रय-विक्रय के व्यापार से लाभ होगा विदेशी वस्तुओ के व्यापार में निवेश आगे के लिये लाभदायक रहेगा। प्रेम प्रसंगों में सम्बन्ध बिगड़ेंगे। संध्या बाद असंयमित दिनचर्या से थकान रहेगी।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे यात्रा में चोटादि का भय है सावधान रहें। सरकारी दस्तावेजो को संभाल कर रखें। संतान के कारण हानि हो सकती है। विदेशी अथवा दूर रहने वाले व्यक्ति से लाभ हो सकता है।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण के संदर्भ में बैठक आयोजित

भवनों की मरम्मत हेतु विधायक कोष का करें उपयोग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उप मुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण के संदर्भ में बैठक आयोजित की गई जिसमें महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी, राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त समग्र शिक्षा अनुपमा जोरवाल, निदेशक, समेकित बाल विकास सेवाएं वासुदेव मालावत, सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं पंचायती राज विभाग के अधिकारी उपस्थिति हुए। बैठक में उपमुख्यमंत्री द्वारा निम्नानुसार निर्देश प्रदान किये गए।

» समसा द्वारा माह जून में किये गये सर्वे / तकमीने अनुसार समसा के द्वारा 6,012 आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता से करवाये जावे। इस बाबत प्रथम चरण में उपलब्ध बजट 50 करोड़ से 3033 केंद्रों की मरम्मत हेतु वित्तीय स्वीकृति भी जारी कर दी गई है।

» इसके साथ ही शिक्षा विभाग समसा के द्वारा ही आदर्श आंगनबाड़ी केन्द्रों के तकमीने अनुसार 2365 आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत के भी निर्देश दिए गए है। उन्होंने अगले 4 माह में केंद्रों की मरम्मत के कार्य को निष्पादित करने के निर्देश दिए।

» उक्त कार्य को सुगमता से करवाये जाने के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से समसा (शिक्षा विभाग) में जेईएन/एईएन की प्रतिनियुक्ति अथवा अतिरिक्त प्रभार की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही शिक्षा विभाग के मुख्यालय में तत्काल प्रभाव से एसई/जेईएन/एईएन की प्रतिनियुक्ति के निर्देश दिए।

» वेदान्ता फाउंडेशन (नन्दघर) की स्टेट हेड को निर्देश दिए गए कि विभाग द्वारा जुलाई महीने में उपनिदेशक कार्यालयों से प्राप्त सूचना अनुसार मरम्मत की आवश्यकता वाले 10497 आंगनबाड़ी केंद्रों में मरम्मत कार्य करवाते हुए नन्दघर के रूप में विकसित किये जाने हेतु कार्रवाई की जाए।

कृषि विभागः यूरिया की दैनिक उपलब्धता की समीक्षा बैठक, यूरिया का सभी जिलों में पारदर्शितापूर्ण वितरण

प्रदेश में 1 लाख 70 हजार मै.टन यूरिया उपलब्ध

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कृषि विभाग की और से यूरिया की दैनिक उपलब्धता की समीक्षा कर कम उपलब्धता एवं अधिक खपत वाले जिलों को चिन्हित करते हुये सभी जिलों में प्राथमिकता से पूर्ण पारदर्शिता से वितरण किया जा रहा है। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा निरन्तर केन्द्र सरकार से समन्वय कर प्रदेश में मांग अनुसार उर्वरकों की आपूर्ति करवाई जा रही है। प्रदेश में वर्तमान में 1 लाख 70 हजार मैट्रिक टन (एम.टी.) यूरिया सभी जिलों में उपलब्ध है। श्री गंगानगर जिलें में सबसे अधिक 18777 एम.टी. जोधपुर में 12971, टोंक में 11900, नागौर में 8851 एवं बांरा में 8583 एम.टी. यूरिया का स्टॉक उपलब्ध है। कम उपलब्धता वाले जिलों में आगामी 3-4 दिवस में यूरिया की आपूर्ति हेतु कार्यवाही की जा चुकी है। उन्होने बताया कि केन्द्र सरकार की ओर से यूरिया एवं डीएपी का राज्यों को माहवार व कम्पनीवार आंवटन किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा प्राप्त आंवटन एवं जिलों की मांग के अनुसार जिलेवार आपूर्ति योजना तैयार कर उर्वरकों का वितरण कराया जाता है।

अप्रेल से अगस्त तक केन्द्र से स्वीकृत 8.82 लाख एम.टी. यूरिया के विरुद्ध 6.97 एम.टी. की आपूर्ति एवं आपूर्ति जारी

राजन विशाल ने बताया कि खरीफ में अप्रेल से अगस्त तक भारत सरकार द्वारा आवंटित 8.82 लाख मै.टन यूरिया के विरूद्ध अब तक 6.97 लाख मै.टन की आपूर्ति कराई जा चुकी है एवं माह अगस्त की शेष अवधि में 1.85 लाख मै.टन यूरिया की आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्त्ता फर्मों को शत-प्रतिशत आपूर्ति हेतु निर्देशित किया गया है। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी द्वारा अवगत कराया कि कृषकों को मृदा स्वास्थय कार्ड में अंकित सिफारिशानुसार संतुलित उर्वरकों के उपयोग हेतु प्रेरित करने, उर्वरकों का समान रुप से वितरण कराने व उर्वरक वितरण में अनियमितता बरतने वाले विक्रेताओं के विरुद्व कार्यवाही हेतु समस्त जिला अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। आयुक्त कृषि सुश्री चिन्मयी गोपाल ने बताया कि गत 03 वर्षो में खरीफ सीजन के माह अप्रेल से अगस्त तक यूरिया की औसत खपत 9.39 लाख मै.टन रही है। खरीफ 2025 में अप्रेल से अब तक यूरिया की कुल मांग 6.88 मांग लाख मै.टन के विरुद्व राज्य में प्रारम्भिक स्टॅाक सहित 9.56 लाख एम.टी. यूरिया की उपलब्धता हो चुकी है एवं निरंतर आपूर्ति जारी है। उन्होने बताया कि खरीफ 2025 में अप्रेल से अगस्त तक भारत सरकार द्वारा आवंटित 4.75 लाख मै.टन डीएपी के विरूद्ध अब तक 2.73 लाख मै.टन की आपूर्ति हो चुकी है। डीएपी के वैकल्पिक उर्वरक एनपीके की 1.23 लाख मै.टन व एसएसपी 1.60 लाख मै.टन की अभी तक आपूर्ति हो चुकी है एवं माह अगस्त की शेष अवधि में 1.18 लाख मै.टन डीएपी की राज्य में आपूर्ति कराई जा रही है।

गत वर्ष की तुलना में 16.12 लाख हैक्टेयर में अधिक बुवाई

आयुक्त कृषि ने बताया कि इस वर्ष प्री-मानसून एवं मानसून के दौरान लगातार वर्षा होने के कारण कृषकों द्वारा यूरिया की निरन्तर मांग की जा रही है। इस वर्ष राज्य में गत वर्ष की तुलना में 16.12 लाख हैक्टेयर अधिक बुवाई हुई है, जिसमें विशेषकर मक्का 6%, धान 15% एवं कपास 25% की अधिक बुवाई हुई है, जिसके कारण यूरिया की मांग अधिक है। विभाग द्वारा राज्य के कृषकों को गुणवत्तायुक्त उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु समय-समय पर कार्यवाही की जा रही है। खरीफ 2025 में कालाबजारी, टैगिंग जमाखोरी, डायर्वजन तथा गैर कृषि कार्य में उपयोग की रोकथाम हेतु राज्य के 39 आदान विक्रेताओं के उर्वरक विक्रय प्राधिकार पत्र निलम्बित एवं 9 निरस्त किये गये, 65 स्थानों पर उर्वरकों की जब्ती की गई। उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधानों का उलुघंन किये जाने के फलस्वरूप उर्वरक विनिर्माताओं व विक्रेताओं के विरूद्ध 44 एफ.आई.आर. दर्ज की गई। राज्य के उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, हरियााणा एवं पंजाब राज्यों से लगती सीमाओं के सीमावर्ती जिलों में चौक पोस्ट स्थापित की जाकर यूरिया डायर्वजन रोकने हेतु नियमित निगरानी की जा रही है।

देशभर के कोल्ड स्टोरेज नेटवर्क से मंडियों तक पहुंचेगा ताज़ा माल-राठौड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि

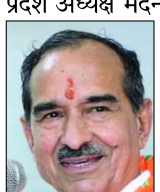

एकीकृत बागवानी विकास मिशन के अंतर्गत देशभर में 5000 मीट्रिक टन तक की क्षमता वाले कोल्ड स्टोरेज का निर्माण, विस्तार और आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इसके लिए सामान्य क्षेत्रों में परियोजना लागत का 35 फीसदी और पूर्वोत्तर एवं हिमालयी राज्यों, अनुसूचित जाति/जनजाति, वाइंट विलेज, अंडमान-निकोबार एवं लक्षद्वीप जैसे विशेष क्षेत्रों में 50 प्रतिशत की क्रेडिट-लिंक्ड बैक-एंडेड सब्सिडी दी जाती है। यह सहायता व्यक्तिगत किसानों, उत्पादक समूहों, स्वयं सहायता समूहों, किसान उत्पादक संगठनों, सहकारी समितियों, स्थानीय निकायों और विपणन बोर्डों सहित विभिन्न हितधारकों को उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड भी "कोल्ड स्टोरेज का निर्माण, विस्तार, आधुनिकीकरण एवं बागवानी उत्पाद के भंडारण हेतु पूंजी निवेश सब्सिडी" योजना चला रहा है। इसके अंतर्गत 5000 से 20000 मीट्रिक टन क्षमता वाले कोल्ड स्टोरेज और नियंत्रित वातावरण (सीए) स्टोरेज के लिए सामान्य क्षेत्र में 35 और विशेष क्षेत्रों में 50 फीसदी तक की सब्सिडी दी जा रही है। सांसद राठौड़ के सवाल के जवाब में कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने सदन में यह जानकारी दी। राठौड़ ने बताया कि देशभर में 30 जून 2025 तक कुल 8,815 शीत भंडारण कार्यरत हैं, जिनकी संयुक्त क्षमता 402.18 लाख मीट्रिक टन है। वहीं, राजस्थान में इस तिथि तक 192 कोल्ड स्टोरेज स्थापित हैं, जिनकी कुल क्षमता 6,61,876 मीट्रिक टन है।

श्री त्रिनेत्र गणेश जी महाराज रणथंभौर की 33 वीं विशाल पदयात्रा का पोस्टर विमोचन जारी किया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। डिग्गी रोड स्थित ग्राम बालावाला से श्री गणेश सेवा समिति द्वारा आयोजित 33 वीं विशाल पदयात्रा का पोस्टर विमोचन किया गया। बालावाला स्थित श्री तत्कालीन वीर हनुमानजी मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में श्री गणेश सेवा समिति के अध्यक्ष और सदस्य उपस्थित रहे। पदयात्रा गुरुवार 21 अगस्त 2025 सांय 6.15 को ग्राम बालावाला तत्कालीन हनुमान जी मंदिर से प्रारंभ होगी। पहली रात यात्रा वीर हनुमान गणपति मंदिर रोड़ चाकसू में विश्राम करेगी। आयोजकों ने सभी भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में इस पदयात्रा में शामिल होकर त्रिनेत्र गणेश जी महाराज का आशीर्वाद करने का आग्रह किया है। समिति के अध्यक्ष गंगाराम शर्मा, छोटी लाल, सत्यनारायण, रामू शर्मा, बाबूलाल, महेश, रामवतार, मोहन, मोहनलाल प्रजापति, लक्ष्मी नारायण, अभिषेक, कल्याण, छीतर, विकाश आदि कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जोबनेर कृषि महाविद्यालय ने ली रैगिंग मुक्त परिसर की शपथ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में एंटी-रैगिंग दिवस मनाया गया। कृषि महाविद्यालय के संकाय अध्यक्ष डॉ एम आर चौधरी ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 2009 में जारी किए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार, महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं को इन नियमों का पालन करना अनिवार्य है। डा एम आर चौधरी ने यह भी बताया कि यदि महाविद्यालय का कोई भी छात्र-छात्रा रैगिंग जैसी गतिविधियों में सम्मिलित पाया जाता है. तो उसके विरुद्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 2009 के नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि उन्हें प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के साथ किस प्रकार का व्यवहार करना चाहिए। इसके साथ ही, छात्र-छात्राओं को रैगिंग न करने की शपथ दिलाई गई। सह-अधिष्ठाता डॉ. शैलेश मारकर ने बताया कि एंटी रैगिंग के संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सख्त कानून बनाए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि महाविद्यालय को रैगिंग मुक्त जोन बनाने के लिए हम निरंतर प्रयासरत है। इस कार्यक्रम की रूपरेखा सहायक निदेशक छात्र कल्याण एवं संयोजक, डॉ. गजानंद जाट ने तैयार की। साथ ही उन्होंने बताया कि रैगिंग से संबंधित किसी भी शिकायत के लिए एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन नंबर 1800-180-5522 पर संपर्क करें। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण, हॉस्टल वार्डन, नॉडल टीचर एवं 162 छात्र छात्राओं ने भाग लिया

साहु महिला सेवा संगठन का लहरिया उत्सव कार्यक्रम सांगानेर आपणी ढाणी में संपन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। साहु महिला सेवा संगठन द्वारा आयोजित लहरिया उत्सव कार्यक्रम सांगानेर के आपणी ढाणी में धूमधाम से संपन्न हुआ। यह आयोजन समाज की महिलाओं को एक सफल नेतृत्व देने और उनकी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम में समाज की करीब 200 महिलाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में कई आकर्षक और रोचक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिनमें मॉडलिंग प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता, और प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम प्रमुख थे। इन प्रतियोगिताओं में समाज के 12 प्रतिष्ठित जजों ने निर्णायक की भूमिका निभाई, जिनमें मुख्य रूप से सुनीता प्रभाकर, शिल्पा साहू, इंदु राठौर, मधु सुजैडिया, बबीता महारानियां, सुनीता गरुड़वासी, सीमा दिलीवाल, गरिमा साहू, भारती जैतवाल, ज्योति पटेल, मीना चौहान, और लक्ष्मी चौहान शामिल थे। सभी जजों ने अपने विवेक से सभी प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए, जो सर्वसम्मति से मान्य हुए। बेस्ट लहरिया 2025 का खिताब रितिका साहू ने जीता, बेस्ट नृत्य प्रतियोगिता में शिवानी साहू ने बाजी मारी, और महंदी प्रतियोगिता में शोभा साहू ने विजयी रहकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन कलावती पटेल, अध्यक्ष, साहु महिला सेवा संगठन ने किया। कार्यक्रम की मंच संरचना और संचालन की जिम्मेदारी सीता आर्य, संगठन की संरक्षक ने निभाई, जबकि सीता दिलीवाल, संगठन की महासचिव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम की गतिविधियों को प्रस्तुत किया। यह आयोजन समाज की महिलाओं के लिए एक प्रेरणा का स्रोत बना और उनकी प्रतिभाओं को सामने लाने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान किया। साहु महिला सेवा संगठन ने महिलाओं की सामूहिक शक्ति और उनके अद्वितीय योगदान को सम्मानित करने के लिए इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प लिया है।

5वां राजस्थान राज्य राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा कार्यक्रम आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। 5वां राजस्थान राज्य Simply राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा फंक्शन अजमेर में अखिल भारतीय मंसूरी समाज प्रदेश अध्यक्ष हाजी महबूब भाई जिला अध्यक्ष हाजी हिसामुदीन मंसूरी ने शिरकत की। अध्यक्ष हाजी रियाज मंसूरी ने इस्तक़बाल किया। कार्यक्रम मे जयपुर के सोनी ने कहा कि देश की एकता वह अखंडता के लिए ऐसे कार्यक्रम होने चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष हाजी महबूब भाई किशनगढ़ अजमेर ने मीडिया के सामने अपने विचार रखे। हाजी हिसाम भाई ने कहा कि देश की एकता के लिए हमें क्या करना चाहिए।

"रेल मदद" एप एवं रेलवे हेल्पलाइन 139 पर डायल कर हजारों रेल यूजर्स नें ली रेलवे की सहायता

जयपुर @ जागरूक जनता। रेल मदद भारतीय रेलवे द्वारा यात्रियों को बेहतर सेवाएं और सहायता प्रदान करने के लिए शुरू की गई एक महत्वपूर्ण पहल है। यह सेवा खासतौर पर यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और आपातकालीन स्थितियों में त्वरित सहायता के लिए बनाई गई है। 'रेल मदद' एक मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल दोनों रूपों में उपलब्ध है, जिसे भारतीय रेलवे ने डिजिटलीकरण के तहत शुरू किया है।रेल मदद ऐप के माध्यम से यात्री टिकट की स्थिति,ट्रेन का लाइव स्टेटस, शिकायत दर्ज करना, खानपान की सुविधा, साफ-सफाई से जुड़ी समस्याएं और आपातकालीन स्थिति में सहायता जैसी सेवाओं का लाभ ले सकते हैं। इसके अलावा,यात्री ऐप पर अपनी शिकायत का ट्रैक भी रख सकते हैं और समाधान की स्थिति जान सकते हैं। यह सेवा यात्रियों को रेलवे से सीधे जोड़ने और पारदर्शिता बढ़ाने का कार्य करती है। रेल मदद ऐप का प्रयोग करना आसान है और यह हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है, जिससे देश के अलग-अलग क्षेत्रों के लोग आसानी से इसका उपयोग कर सकते हैं। रेल मदद भारतीय रेलवे की एक सराहनीय पहल है जो यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक और भरोसेमंद यात्रा अनुभव प्रदान करने की दिशा में एक अहम कदम है।

अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच के बोर्ड सलाहकार सदस्य नेपाल राष्ट्र के बौध धर्म गुरू को मिलेगा जगतगुरू सम्मान

जयपुर @ जागरूक जनता। अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच नेपाल क बोर्ड

सलाहकार में नियुक्त प्रमुख सलाहकार धर्म गुरू लामा घ्याचो रिम्पोछे को सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करने व आज के युग में धर्म अध्यातम और मानवता के उत्थान हेतु बौध धर्म गुरू के अद्वितीय योगदान तथा बौध धर्म के साथ-साथ सनातन संस्कृति व भारत की प्राचीन सभ्याता को बढावा देने पर अन्तर्राष्ट्रीय सप्त ऋषि अखाड़ा परम पुज्य जगतगुरू एंव संस्थापक स्वामी ऋषिवर सच्चिदानंद बालप्रभु जी महाराज द्वारा वृन्दावन की प्रवित्र भुमि पर दिनांक 28 अगस्त को पटाभिषेक समारोह में जगतगुरू अलंकरण से उपाधि प्रदान करेंगें। अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच के मुख्य सलाहकार डॉ. कुलदीप प्रसाद शर्मा एडवोकेट ईस्ट-वेस्ट लॉ फर्म नेपाल ने बताया कि नेपाल राष्ट्र के पहले बौध धर्म गुरू है जिनको जगतगुरू की उपाधि से अलंकृत किया जा रहा है। अन्तर्राष्ट्रीय सप्तऋषि अखाड़ा के महामण्डलेश्वर शिवम जी महाराज ने बौध धर्म गुरू लामा घ्याचो रिम्पोछे को आमन्त्रण भेज कर वृन्दावन की प्रवित्र भुमि पर आमन्त्रित किया है। बौध धर्म गुरू को उच्चतम सम्मान मिलने पर अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मचं के सभी सदस्यो द्वारा खुशी प्रकट की गई। जगतगुरू की उपाधी के पश्यात नेपाल राष्ट्र के बौद्ध धर्म गुरू की भारत के सभी राज्यो में यात्राऐ निकाली की जायेगी।

जागरूक जनता का विशेष फीचर पेज

AI टूल्स को करें ट्राई

हर काम होगा आसान

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) आज सिर्फ टेक्नॉलजी एक्सपर्ट्स या बड़ी कंपनियों तक सीमित नहीं रह गई है, यह आम लोगों तक पहुंच चुकी है, वह भी काफी हद तक मुफ्त या सस्ते ऐप्स के रूप में। आज बात पढ़ाई की हो या सेहत या जॉब की (रिज्यूमे बनाने से लेकर इंटरव्यू में मदद पाने तक), AI हर तरह से हमारी ज़िंदगी को आसान बना रही है। बस जरूरत है तो सही जगह यानी सही प्लैटफॉर्म, ऐप या टूल से मदद लेने की। इस बारे में जानकारी दे रहे हैं AI एक्सपर्ट मनन वासन

1 हेल्थ AI से मिल रही काफी मदद

सेहत सलाहकार

■ **Jivi: AI Health and Diet Coach:** यह ऐप डिजिटल हेल्थ असिस्टेंट है, जिसे खासतौर पर सेहत, पोषण और मेडिकल रिपोर्ट समझने में मदद करने के लिए बनाया गया है। इस भारतीय ऐप ने कुछ खास मेडिकल सवालों में इंटरनैशनल **AI** टूल्स जैसे **OpenAI** के **GPT-4** को भी पीछे छोड़ दिया है। यह इंग्लिश, हिंदी के अलावा तेलुगु, तमिल, कन्नड़, पंजाबी, मराठी, गुजराती और बांग्ला भाषा में भी मदद करता है। साथ ही जर्मन, फ्रेंच सहित 7 विदेशी भाषाओं में भी काम करता है। पूरी तरह से फ्री यह ऐप **Android** और **iOS** दोनों पर है। **iOS** में यह **Jivi: Your AI Health Companion** नाम से है।

ये-ये ले सकते हैं मदद

■ **परेशानी बताएं, समाधान पाएं:** अगर कोई परेशानी जैसे सिरदर्द, पेट दर्द हो तो इस ऐप पर उसे बता सकते हैं। यह हमारी दी गई जानकारी के आधार पर उसका समाधान बताता है।

■ **टेस्ट रिपोर्ट समझने में:** अपनी ब्लड टेस्ट रिपोर्ट, **ECG, X-ray** या फिर कोई दूसरी रिपोर्ट इस ऐप पर अपलोड कर सकते हैं। यह उसे पढ़कर आसान शब्दों में समझाता है, जैसे- कलेस्ट्रॉल थोड़ा हाई है, डाइट में बदलाव करें।

■ **न्यूट्रिशन और डाइट कोच:** यह हमारे स्वास्थ्य (ब्लड शुगर, कलेस्ट्रॉल, वजन आदि) और पसंद-नापसंद भोजन के आधार पर व्यक्तिगत डाइट प्लान तैयार करता है।

■ **स्ट्रेस लेवल:** तनाव के स्तर का पता लगा सकते हैं। यह हमारे फेस को स्कैन कर उसके बाद जवाब देता है।

■ **इमरजेंसी फर्स्ट एड:** अगर किसी को हार्ट अटैक के लक्षण आ रहे हैं तो क्या करें? यह पूछने पर ऐप स्टेप बाय स्टेप गाइड करता है।

■ **पास के डॉक्टर, लैब, फार्मेसी की जानकारी:** अगर परेशानी ज्यादा हो और ऐप से पूरी मदद न मिल सके तो यह पास के डॉक्टर, लैब और फार्मेसी की जानकारी भी देता है।

नोट: AI के सुझावों को आखिरी सलाह न मानें। डॉक्टर की राय जरूर लें।

ये ऐप्स और टूल्स भी हैं मददगार

■ **Tata 1mg:** यह एक डिजिटल हेल्थ प्लैटफॉर्म है। इसके जरिए दवाओं की जानकारी ले सकते है और उनकी होम डिलिवरी करा सकते हैं। लैब टेस्ट, ऑनलाइन डॉक्टर कंसल्टेशन और हेल्थ इंश्योरेंस जैसी सेवाएं भी मिलती है। इसकी वेबसाइट भी है और TATA 1mg Online Healthcare App नाम से Android और iOS पर ऐप भी है, जो फ्री है।

■ **Practo:** इस नाम से हेल्थकेयर ऐप और वेबसाइट दोनों है। इससे डॉक्टर अपॉइंटमेंट बुकिंग, ऑनलाइन कंसल्टेशन, हेल्थ चेकअप पैकेज, लैब टेस्ट और दवाओं की होम डिलिवरी जैसी सर्विस मिलती है। किसी भी शहर मे एक्सपर्ट डॉक्टर ढूंढ सकते हैं, विडियो कॉल या चैट से सलाह ले सकते हैं और मेडिकल रेकॉर्ड सुरक्षित रख सकते है। Practo: Doctor Appointment App नाम से इसका ऐप Android और Practo-Consult Doctor Online नाम से iOS पर मौजूद है। इसमें कुछ सुविधाएं फ्री है, लेकिन ज्यादा के लिए Practo Plus का सब्सक्रिप्शन लेना होता है।

2 एजुकेशन आसान और जल्द

एक वक्त था जब पढ़ाई का मतलब था किताबें, नोट्स और क्लासरूम में घंटों बिताना, लेकिन अब AI ने पढ़ाई और सीखने की पूरी तस्वीर बदल दी है। जेब में रखा स्मार्टफोन ही पूरा क्लासरूम बन गया है। कुछ काम के AI टूल्स यहां बताए गए हैं:

स्टूडेंट्स के लिए

■ **Google Lens**

यह AI से चलने वाला विजुअल सर्च इंजन है जो स्टूडेंट्स की पढ़ाई में मदद करता है। मैथ्स, साइंस, ज्योग्राफी, हिस्ट्री, इंग्लिश और जनरल नॉलेज के सवालों के फोटो खींचकर इसमें अपलोड करते ही तुरंत जवाब मिलते हैं। यह क्लास 6 से 12 के स्टूडेंट्स के मैथ्स और साइंस के सवाल चुटकियों में हल कर देता है। कोई भाषा सीखनी हो, अनुवाद करना हो या फिर टेक्स्ट कॉपी करना हो, यह मददगार है।

कैसे करें इस्तेमाल

डाउनलोड करें: Play Store से ऐप डाउनलोड करें।
ऐप ओपन करें: Google Lens खोलें। कुछ फोन में यह गूगल ऐप या कैमरा ऐप में भी इनबिल्ट होता है।
कैमरा एक्सेस की परमिशन दें: पहली बार में कैमरा और गैलरी एक्सेस की परमिशन मांगेगा, उसे Allow कर दें।
सवाल की फोटो लें: जिस सवाल का जवाब चाहिए, उसकी किताब, नोटबुक या स्क्रीन से फोटो क्लिक करें।
सर्च: Google Lens फोटो से सवाल को ऑटोमैटिक टेक्स्ट में कन्वर्ट करेगा और इंटरनेट पर उसका जवाब सर्च करेगा।

ये ऐप्स भी हैं काम के

Photomath, Brainly, Nerd AI वैसे तो फ्री हैं लेकिन इन्हें पूरी तरह इस्तेमाल करने के लिए सब्सक्रिप्शन लेना पड़ता है। ये ऐप्स Android और iOS दोनों के लिए हैं।

बच्चों और बड़ों दोनों के लिए

ऐसे बहुत-से ऐप्स हैं जो कई भाषाएं सिखा रहे हैं। यहां बताए गए कुछ ऐप्स Android और iOS दोनों के लिए हैं। इनमें कुछ चीजें फ्री हैं, पूरी तरह इस्तेमाल के लिए सब्सक्रिप्शन लेना पड़ता है

Duolingo: Language Lessons: यहां 100 से ज्यादा कोर्स हैं, जिनके जरिए 40 से ज्यादा भाषाएं सीखी जा सकती हैं।

Ling: Learn. Speak. Repeat: भारत की कई भाषाओं सहित दुनियाभर की करीब 70 भाषाएं सिखाता है। iOS में Ling-Language Lessons के नाम से।

Speak & Learn English: Learna: इंग्लिश को बहुत रोचक तरीके से सिखा सकता है।

3 करियर AI बना स्मार्ट गाइड

रिज्यूमे अपडेट से लेकर, इंटरव्यू और स्किल डिवेलप करने में भी AI की मदद ली जा सकती है।

ये फ्री टूल्स फायदेमंद

■ **AI Resume Scorer:** यह पता होना चाहिए कि हमारा रिज्यूमे कितना बेहतर है। इसके लिए Naukri.com का Resume Score Checker है।
कैसे करें इस्तेमाल: Google में naukri fast forward resume score टाइप करें। सर्च में जो पहला ऑप्शन दिखे उस पर क्लिक करें। जो पेज खुलेगा उसमें रिज्यूमे अपलोड करने को कहेगा। इसे कंप्यूटर या लैपटॉप से Drag & Drop कर सकते है या Browse में जाकर अपलोड कर सकते है। ऐसा करते ही यह बता देगा कि रिज्यूमे Low, Medium, High, Excellent किस कैटिगरी में है। अगर Low, Medium कैटिगरी में है तो इसे बेहतर बनाने के लिए दूसरे AI टूल की मदद ले सकते हैं।
यह भी ऑप्शन: incruiter.com/resume-checker पर रिज्यूमे की क्वॉलिटी जांच सकते हैं।

■ **ChatGPT या Gemini:** रिज्यूमे को बेहतर करने के लिए ChatGPT, Gemini जैसे AI टूल्स का इस्तेमाल करें। ये रिज्यूमे को बेहतर भाषा, सही फॉर्मेट और जॉब-फ्रेंडली Keywords के साथ अपडेट कर सकते हैं। ये अनुभव को अचीवमेंट्स में बदलते हैं।
कैसे करें इस्तेमाल: रिज्यूमे के टेक्स्ट को इन AI टूल्स पर पेस्ट करें। अब अपनी टार्गेट जॉब के बारे में बताएं, जैसे किस सेक्टर या जॉब प्रोफाइल के लिए रिज्यूमे अपडेट करना है। खास स्किल्स जोड़नी हैं तो बताएं। रिज्यूमे को फॉर्मल टोन देनी है या क्रिएटिव स्टाइल में बनाना है यह भी बताएं।

इंटरव्यू में पूछे जाने वाले सवाल और उनके जवाब जानें

पहली बार किसी जॉब इंटरव्यू के लिए जा रहे हैं या ऐसी फील्ड में जॉब के लिए इंटरव्यू देने जा रहे हैं जो बिलकुल नई है तो ChatGPT या Gemini की मदद ले सकते हैं। उदाहरण के तौर पर पूछें कि मार्केटिंग एग्जिक्यूटिव की जॉब के लिए इंटरव्यू में कौन-कौन से सवाल पूछे जा सकते हैं? फिर अपनी ओर से उन सवालों के जवाब बताएं। इंटरव्यू से जुड़े संभावित सवाल-जवाब मिलेंगे।

स्किल गैप पता करें: अगर आप अपने करियर की दिशा बदलना चाहते हैं तो AI के ये टूल्स बता सकते हैं कि क्या करना चाहिए और क्या वह लाइन आपके लिए सही होगी या नहीं। उदाहरण के तौर पर आप डिजिटल मार्केटिंग में करियर शुरू करना चाहते हैं लेकिन अब तक आपके पास सेल्स का अनुभव है। ऐसे में पूछ सकते हैं कि डिजिटल मार्केटिंग के लिए कौन-कौन सी स्किल्स चाहिए?

4 मनी फाइनैंस का मैनेजमेंट

फाइनैंशल प्लानिंग का मतलब अब सिर्फ खर्च लिखने या बजट बनाने तक सीमित नहीं रह गया है। AI आधारित ऐप इसे स्मार्ट और आसान बना रहे हैं:

■ **ET Money: Mutual Funds, Stocks:** अगर स्टॉक्स में निवेश करना है, म्यूचुअल फंड चुनने हैं, टैक्स सेविंग करनी है या खर्चों पर नजर रखनी है तो यह ऐप बेहतर विकल्प है। यह ऐप आपकी प्रोफाइल के हिसाब से निवेश सुझाव, टैक्स ऑप्टिमाइजेशन और पोर्टफोलियो हेल्थ रिपोर्ट देता है। इन में मदद मिलेगी:

■ **AI निवेश सलाह:** प्रोफाइल और टारगेट के स्मार्ट तरीके से निवेश के बेहतर विकल्प मिलते हैं।
म्यूचुअल फंड: कौन-से म्यूचुअल फंड्स बेहतर रिटर्न दे सकते हैं।

■ **स्टॉक:** ऐप की Genius सर्विस हर हफ्ते ऐसे स्टॉक्स का सुझाव देती है जो उस वक्त निवेश के लिए बेहतर होते हैं। इसमें कब बेचें का सुझाव भी है।

■ **खर्च ट्रैकिंग:** SMS और UPI ट्रांजेक्शन से खर्च खुद-ब-खुद दर्ज होते हैं और उनका हिसाब भी लगाया जाता है ताकि गैरजरूरी खर्चों का पता लग सके।

■ **पोर्टफोलियो हेल्थ चेक:** सिर्फ निवेश करना काफी नहीं, समय-समय पर यह देखना भी ज़रूरी है कि आपका निवेश सही दिशा में जा रहा है या नहीं। ऐप पूरे पोर्टफोलियो का एनालिसिस करके बताता है कि जोखिम कितना है, रिटर्न कैसा है और कहां सुधार की गुंजाइश है।

■ **टैक्स सेविंग प्लान:** ELSS, NPS जैसे विकल्पों से टैक्स बचाने की प्लानिंग में मदद मिलती है।

■ **स्मार्ट डिपोजिट:** बचे पैसों पर ज्यादा ब्याज दिलाने के लिए सुरक्षित निवेश में ऑटो सेव करता है।

■ **इंस्टेंट लोन:** अगर आपको अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाए तो म्यूचुअल फंड में लगे आपके निवेश को आधार बनाकर यह ऐप इंस्टेंट लोन की सुविधा देता है। यह लोन न सिर्फ जल्दी मिलता है, बल्कि इसकी प्रक्रिया भी काफी आसान और पारदर्शी होती है।

ये भी हैं मददगार

■ **Cube Wealth: Financial Planner:** फाइनैंशल एक्सपर्ट से सलाह, US स्टॉक्स और इंटरनैशनल फंड्स में पैसा लगाने में मददगार। डिजिटल गोल्ड खरीदने की सुविधा भी है।

■ **INDmoney: Indian & US Stocks:** यह ऐप उन लोगों के लिए अच्छा ऑप्शन हो सकता है जो निवेश के साथ-साथ खर्च, क्रेडिट स्कोर और रिवाड्र्स को एक ही जगह ट्रैक करना चाहते हैं। इससे न सिर्फ भारत और अमेरिका के स्टॉक्स में निवेश कर सकते है बल्कि म्यूचुअल फंड, डिजिटल गोल्ड और FD में भी पैसे लगा सकते हैं।

■ **Scripbox: Mutual Fund & SIP** ये ऐप भी इन्वेस्टमेंट और बजट बनाने जैसे कामों में मददगार है। अपने हिसाब सेम्यूचुअल फंड के ऑप्शन चुन सकते हैं।

नोट: ये ऐप्स Android और iOS दोनों पर हैं। खास फीचर्स के लिए सब्सक्रिप्शन जरूरी है

5 एग्रीकल्चर किसानों की राह आसान

AI के आने से खेती में नई क्रांति आ गई है। यहां बताए गए हैं खेती में काम आने वाले कुछ AI बेस्ड ऐप:

किसानों के काम के ऐप्स

■ **Plantix:** किसान अपनी फसल की फोटो इस ऐप पर अपलोड करके कीट, पौधों की बीमारी की जानकारी या पोषक तत्व की कमी का पता लगा सकते हैं और इलाज के लिए सुझाव पा सकते है। यह ऐप किसानों को मौसम की जानकारी, उर्वरक की मात्रा तय करने में मदद, फसल सलाह, बीज से कटाई तक की गाइड और एक्सपर्ट व दूसरे किसानों से जुड़े रहने की सुविधा भी देता है। हिंदी, इंग्लिश, उर्दू, बांग्ला सहित 19 भाषाओं में उपलब्ध यह ऐप पूरी तरह से फ्री है और Android व iOS पर मौजूद है।

ChatGPT से पूछें सवाल

किसान ChatGPT से हिंदी या स्थानीय भाषा में पूछकर तुरंत जानकारी ले सकते है-जैसे बीज चयन, उर्वरक उपयोग, सिंचाई तकनीक आदि। सरकारी योजनाओं का लाभ कैसे ले सकते है यह जानकारी भी इसकी मदद से आसानी से ले सकते है।

■ **Farmonaut:** यह ऐप सैटलाइट और AI बेस्ड स्मार्ट फार्मिंग प्लैटफॉर्म है जो किसानों को उनके खेत की स्थिति, फसल की क्वॉलिटी, मिट्टी की नमी, मौसम का पूर्वानुमान, कीट-रोग अलर्ट और सिंचाई व खाद देने का सही वक्त बताता है। इसके जरिए किसान फील्ड मैपिंग कर सकते हैं और खेत का डेटा रिपोर्ट के रूप में डाउनलोड कर सकते हैं। Farmonaut Android और iOS और वेब प्लैटफॉर्म पर भी है। हिंदी समेत 50 भाषाओं में काम करता है। यह ऐप पूरी तरह से पेड है, इसलिए इस ऐप का इस्तेमाल सब्सक्रिप्शन के बाद ही किया जा सकता है।

■ **Kissan Ai:** हिंदी, इंग्लिश, गुजराती सहित 10 भाषाओं में मौजूद यह ऐप भारतीय किसानों की मदद के लिए डिवेलप किया गया है। इसमें वॉइस इंटरफेस है जिससे किसान बोलकर सवाल पूछ सकते हैं और अपनी भाषा में जवाब पा सकते हैं। यह पूरी तरह से फ्री ऐप है और फिलहाल सिर्फ Android प्लैटफॉर्म पर है।

■ Fasal Salah Agriculture App, BharatAgri: Krushidukan App जैसे कई दूसरे ऐप्स भी खेती के लिए मौजूद हैं।

6 ट्रैवल AI संग करें घूमने की प्लानिंग

■ **Google Travel:** यह कोई ऐप नहीं बल्कि गूगल की एक सर्विस है जिसे मोबाइल, लैपटॉप और डेस्कटॉप पर वेब ब्राउजर से इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए एड्रेस बार में google.com/travel टाइप करें। यह AI की मदद से स्मार्ट तरीके से ट्रैवल प्लानिंग करता है। हमारे Gmail से फ्लाइट, होटल, कार रेंटल जैसी सभी बुकिंग्स को खुद ही जमा करके आइटिनरेरी तैयार करता है। सफर की तारीख, लोकेशन और पसंद के आधार पर घूमने की जगह, होटल और लोकल ऐक्टिविटी बताता है। फ्लाइट के किराए, होटल और मौसम की जानकारी देता है। अगर कोई सर्च या बुकिंग की है तो कस्टम रिमाइंडर और प्राइस अलर्ट भेजता है।

■ **MakeMyTrip Hotels, Flight, Bus:** इस ऐप में AI की ओर से पर्सनलाइज्ड डील्स, ऑफर्स और स्मार्ट ट्रैवल पैकेज बताए जाते हैं जो यूज़र के बजट, पसंद और पिछली बुकिंग पर आधारित होते हैं। इसका AI बेस्ड चैटबॉट Myra बुकिंग, कैंसलेशन और रिफंड आदि में हेल्प करता है। इस ऐप में डायनामिक प्राइसिंग अलर्ट, ट्रैवल बीमा के सुझाव और रिफंड ऑप्शन भी AI से तय होते हैं।

■ **TripIt: Travel Planner:** ईमेल से बुकिंग की जानकारी लेकर पूरी यात्रा की आइटिनरेरी बनाता है। यह सिर्फ सफर को आर्गेनाइज़ करने में हेल्प करता है यानी कोई बुकिंग नहीं करता।

■ **Skyscanner:** अगर फ्लाइट, होटल या कार रेंटल के सस्ते विकल्प तलाशना चाहते हैं तो यह ऐप हाजिर है। यह एयरलाइंस, होटल वेबसाइट्स और कार रेंटल कंपनियों की दरों की तुलना करके सबसे सस्ते विकल्प दिखाता है।

■ **Hopper:** इस ऐप में AI फ्लाइट, होटल और कार रेंटल की दरों की तुलना करता है और प्राइस ट्रेंड्स के आधार पर सस्ती बुकिंग का टाइम बताता है। यह यूजर को बुकिंग के लिए अलर्ट भी देता है।

नोट: AI मदद के लिए है। किसी नतीजे पर पहुंचने से पहले उस फील्ड के एक्सपर्ट की राय भी ले लें।

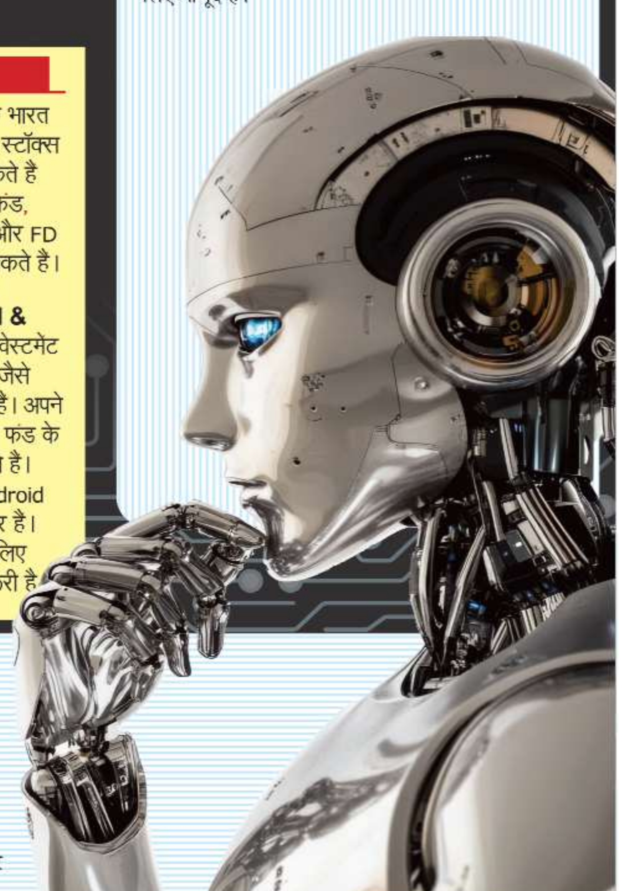

लेखक अमेजन में सीनियर **AI** सिक्योरिटी इंजीनियर हैं। एक दशक से सिलिकॉन वैली में **AI** और साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में काम कर रहे हैं।

पत्रकार पर हमले के मामले में प्रशासन का बड़ा एक्शन

ठेकेदार "जेजे कंस्ट्रक्शन" अब ब्लैकलिस्टेड

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। वरिष्ठ पत्रकार हरिपाल सिंह पर सुनियोजित हमले और झूठे मुकदमे में फंसाने की साजिश के मामले में प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। पत्रकार संगठन IFWJ (इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स) के सख्त हस्तक्षेप के बाद, नगर परिषद क्षेत्र में घोटालों में लिप्त ठेकेदार "जेजे कंस्ट्रक्शन" को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। नगरपालिका आयुक्त शिवपाल सिंह की अगुवाई में की गई जांच में सामने आया कि ठेकेदार ने नगर परिषद के सफाई निरीक्षकों के साथ मिलकर गंभीर भ्रष्टाचार को अंजाम दिया। यही नहीं, जब पत्रकार हरिपाल सिंह ने इन घोटालों को उजागर किया, तो उनके खिलाफ झूठे आरोपों की बुनियाद रख दी गई। ठेकेदार ने मजदूरों को बहकाकर पत्रकार विरोधी रैली तक निकलवाई, लेकिन डीएसपी स्तर की जांच में पूरा मामला फर्जी निकला। जांच में स्पष्ट हो गया कि पत्रकार के खिलाफ रची गई यह पूरी कहानी एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा थी। अब इस प्रकरण में नया मोड़ तब आया जब हरिपाल सिंह ने संबंधित ठेकेदार के खिलाफ मानहानि की याचिका दायर कर दी है।

सूत्रों के अनुसार, जिला प्रशासन द्वारा अब अन्य जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की भी समीक्षा की जा रही है। इस मामले ने माउंट आबू सहित पूरे जिले में भ्रष्टाचार, मीडिया स्वतंत्रता और प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

राजस्थान की पहली हाईटेक AI लैब बीकानेर में खुलेगी, रोज़गार के खुलेंगे नए रास्ते

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बीकानेर। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बारीकियों को सीखने के लिए विद्यार्थियों को बाहर नहीं जाना पड़ेगा। इंडिया एआई मिशन के तहत राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट), महाराजा गंगासिंह विवि (एमजीएसयू) स्थित अपने केंद्र में जल्द ही राजस्थान की पहली हाईटेक एआई लैब शुरू करने जा रहा है। लैब बनकर तैयार है और अब उद्घाटन का इंतजार है। इसके शुरू होने से बीकानेर सहित संभाग के विद्यार्थी एआई की नई तकनीकों को सीख सकेंगे और कोर्स पूरा होने के बाद बड़ी कंपनियों में रोजगार के अवसरों को भी अपनी काबिलियत से लपकेंगे। लैब में 20 सुपरफास्ट एआई कंप्यूटर लगाए गए हैं, जिनमें हाई-परफॉर्मेंस प्रोसेसर, अपडेटेड सॉफ्टवेयर और जीपीयू इंस्टॉल किए गए हैं। इन कंप्यूटरों पर स्वास्थ्य, कृषि, बायो, स्पोर्ट्स सहित अन्य क्षेत्रों के डेटा एनालिसिस के प्रयोग किए जा सकेंगे।

असाधारण होते हुए भी साधारण के लिए फिक्र करना मानवता- गजेंद्र सिंह

रूमा देवी सुगणी देवी स्कॉलर्स अवॉर्ड के 5वें साल में हुए 3 करोड़ समर्पित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बाड़मेर। रूमा देवी फाउंडेशन व गढवाल फैमिली फाउंडेशन द्वारा एस एन मेडिकल कॉलेज ऑडोटोरियम में अक्षरा छात्रवृति का पांचवा संस्करण आयोजित हुआ जिसमें 25 हजार से 1 लाख की छात्रवृति व 25 लाख के रूमा देवी सुगणी देवी स्कॉलर्स अवॉर्ड का पहला चरण केन्द्रीय पर्यटन व कला मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत व राजस्थान के संसदीय कार्य व न्याय मंत्री जोगराम पटेल की अध्यक्षता में आयोजित हुआ गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जरूरतमंद व हुनरमंद विद्यार्थीयों को सम्मान प्रदान करते हुए कहा कि बिरले लोग ही ऐसे होते हैं जो असाधारण होते हुए भी साधारण बनकर समाज के पिछड़े लोगों को आगे बढ़ाने के लिए संकल्प लेकर काम कर रहे है, और वो रूमा देवी ने आज यहां साकार किया है उन्होंने अपनी निजी आय से दो विद्यार्थीयों को छात्रवृति समर्पित की इस दौरान मदेरणा कॉलोनी की मुस्कान को विपरीत आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद घर से ही तैयारी कर एमबीबीएस में प्रवेश लेने पर 1 लाख का स्कालर्स अवॉर्ड मिलने पर बधाई दी पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड़ ने फाउंडेशन द्वारा चयनित 8 विद्यार्थीयों को छात्रवृति समर्पित करने की घोषणा की राजस्थान के संसदीय कार्य व न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने बेटीयो को आगे बढाने के समाज को सोच बदलने का आह्वान किया और 12 अगस्त को रूमा देवी फाउंडेशन के राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिए जयपुर में आमंत्रित किया

तोमर ने किया कृषि मंत्री चौहान का स्वागत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोंक। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर तहसील मालपुरा जिला टोंक के निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर द्वारा डॉ एम एल जाट डीजी आईसीएआर एवं सचिव कृषि अनुसन्धान एवं शिक्षा विभाग भारत सरकार के प्रतिनिधि के रुप में जयपुर एयरपोर्ट पर शिवराज सिंह चौहान केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री भारत सरकार का अविकानगर संस्थान निर्मित ऊनपुष्प एवं शॉल से स्वागत किया गया। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर भी उपस्थित रहे। एयरपोर्ट पर स्वागत के साथ निदेशक डॉ अरुण कुमार द्वारा मंत्री को अविकानगर संस्थान द्वारा भेड़ - बकरी एवं खरगोश पालन तथा उन के मुल्य संवर्धन पर देशभर के पशुपालक के लिए अपने मुख्य संस्थान अविकानगर एवं क्षेत्रीय केन्द्र के माध्यम से किये जा रहे अनुसंधान गतिविधियों के बारे मे विस्तार से बताया। उन्होंने चौहान के मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन के लिए उन्हें अविकानगर संस्थान के भ्रमण के लिए भी आमंत्रित किया। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत राज्य स्तरीय भुगतान कार्यक्रम झुंझुनूं में शामिल हुए।

लिंग थापि बिधिवत करि पूजा, शिव समान प्रिय मोहि न दूजा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बूंदी। शहर का हृदय माने जाने वाले मालन मासी बालाजी मंदिर प्रांगण में मालनमासी बालाजी मित्र मंडली की ओर से 51 पार्थिव शिवलिंग निर्माण कर रूद्राभिषेक किया गया। इस मौके पर पार्थिव शिवलिंग की महत्ता पर भी प्रकाश डाला गया। मंडली के अध्यक्ष ब्रजेश गौतम, ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री और पं. जगदीश प्रसाद शर्मा ने पार्थिव शिवलिंग पूजन का महत्व बताते हुए कहा कि इसकी पूजा करने से करोड़ों यज्ञों के समान फल मिलता है। मौके पर मुख्य यजमान महावीर सोनी सहित 51 जोड़ो ने गणेश पूजन, ध्वज पूजन करके बालाजी महाराज की पूजा करके तेलाभिषेक,रुद्राभिषेक किया।

इसके प्रश्चात महाआरती ग्रह शांति के लिए हवन किया गया। कार्यक्रम में मनीष शर्मा, शांतिलाल जैन, मुकेश जैन, देवेन्द्र जैन, जगदीश गुप्ता, टिल्लू नुवाल व गिरिश ओझा आदि सहित अनेक शिव भक्त उपस्थित रहे।तथा सभी ने भगवान से खुशहाली की कामना की।

पूर्व मंत्री आंजना को भेंट की भागवत गीता

निम्बाहेड़ा @ जागरूक जनता। कुसुम गार्डन में आयोजित एक कार्यक्रम में पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना को मुस्लिम समाज के गणमान्यजनों ने भागवत गीता भेंट कर गंगा-जमुनी तहज़ीब की मिसाल पेश की। कार्यक्रम मरहूम सफात अली, मशहूर फोटोग्राफर एवं चित्रकार, की याद में आयोजित किया गया। इस दौरान मोहम्मद अय्यूब नीलगर, असलम शेर खान, राजू भाई मेव, फिरोज खान, एडवोकेट साजिद अली, एडवोकेट समद अंसार, तालिब अहमद, भाईजान मेव, एडवोकेट आयशा खान, अल्शिफा मेव सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन, छात्र-छात्राएं और मीडियाकर्मी मौजूद रहे।

राउमावि भेरड़ा में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। हरियालो राजस्थान एवं एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत सीबीईओ शंभूलाल सोमानी के निर्देशन में, बिरला सीमेंट वर्क्स चंदेरिया के सहयोग से राउमावि भेरड़ा में पौधारोपण कार्यक्रम हुआ। प्रधानाध्यापक मुबारक खान देशवाली ने बताया कि विद्यालय परिसर, खेल मैदान व सड़क किनारे कई फलदार व छायादार पौधे लगाए गए। इस अवसर पर अध्यापक राजेश कुमार गर्ग, तरसेम सिंह, मंजू पोखरना, तारा बारबर, सेवानिवृत्त नायब तहसीलदार अमृतलाल पुरोहित, एसएमसी सदस्य, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुषमा कंवर सहित छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। प्रधानाध्यापक ने बिरला सीमेंट वर्क्स प्रबंधक, लोकेन्द्र दवे व बागवानी विभाग के मांगीलाल का आभार व्यक्त किया।

हरियालो राजस्थान एवं पंडित श्रीराम वाजपेई जयंती पर एस एन विधालय ने किया वृक्षारोपण

नवलगढ़ @ जागरूक जनता। एस एन विधालय में हरियालो राजस्थान एवं पंडित श्रीराम वाजपेयी जयंती के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम प्रभारी कमिश्नर एवं सी.बी.ई.ओ.आत्माराम एवं उर्जावान प्राचार्य नवीन शर्मा के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। श्री नवलगढ़ उच्च माध्यमिक विद्यालय, नवलगढ़ के प्रांगण में स्काउट गाइड ने वृक्षारोपण कर रख -रखाव एवं पल्लवित पुष्पित की जिम्मेदारी ली । इस अवसर पर ए.सी.बी.ई.ओ. नेकीराम पूनिया ,पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी दीपचंद पंवार, लीडर ट्रेनर रामावतार सबलानिया, सचिव अर्जुन सिंह सांखनीया, स्काउटर महेंद्र कुमार सैनी, उप प्राचार्या सुलोचना सैनी, गाइड प्रभारी सुमन राठौड, स्काउट प्रभारी विकास कुमार, गाइड कैप्टन गिरिजा चेजारा, गाइड्स दिव्यांशी धूत, आयुषी चौहान, कुमकुम मिश्रा, सिमरन, रिषिका, नेहा, पलक, स्काउट्स कैप्टन घनिष्ठ शर्मा स्काउटर रोहन सैनी,आयुष शर्मा आदि उपस्थित रहे ।

अर्बन कोऑपरेटिव बैंक में रक्षाबंधन पर सहकारिता संकल्प

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। चित्तौड़गढ़ अर्बन कोऑपरेटिव बैंक में रक्षाबंधन उत्साहपूर्वक मनाया गया। प्रबंध निदेशक वंदना वजीरानी ने सहकारिता को सुदृढ़ कर बैंकिंग सुविधाएं हर व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प दिलाया। वजीरानी ने कहा कि वर्ष 2025 अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष को समर्पित है और समृद्धि का मार्ग सहकारिता से ही संभव है। इस अवसर पर बैंक पदाधिकारियों व कर्मचारियों ने व्यवसाय वृद्धि की शपथ ली और रक्षा सूत्र बांधे। कार्यक्रम में महाप्रबंधक जे.पी. जोशी, वरिष्ठ प्रबंधक दामोदर चेचानी सहित सभी अधिकारी, कर्मचारी व सफाईकर्मी मौजूद रहे। वजीरानी को बेस्ट महिला यंग लीडर सम्मान मिलने पर स्टाफ ने बधाई दी। धन्यवाद यशवंत बाफना ने किया।

पर्यटक कि हत्या के बाद बदमाशों के विरूद्ध माउण्ट आबू पुलिस का एक्शन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। पर्वतीय पर्यटक स्थल माउन्ट आबू में सार्वजनिक क्षेत्र में शराब पीने और उत्पात मचाने के आरोप में पुलिस ने 14 कों लोगो कों गिरफ्तार किया है।दरअसल यह सख्ती तब देखने कों मिली ज़ब कुछ दिन पूर्व हीं एक पर्यटक कि आबूरोड़ से माउन्ट - आबू रास्ते पर् दिन दहाड़े पर्यटक हत्या कर दी जाती है। लम्बे समय बाद माउन्ट आबू पुलिस का बदमाशों के विरुद्ध यह एक्शन देखने कों मिला है। अब पर्वतीय पर्यटन स्थल पर असामाजिक तत्वों व खुले स्थान पर नशा करने वाले लोगों पर् पुलिस नकेल कस रहीं है। सबसे बड़ा सवाल यह कि पुलिस की यह कार्रवाई नियमित होंगी या महज साख बचाने के लिये खानापूर्ति बनकर रह जाएगी यह तो निकट भविष्य में हीं पता चल पायेगा। आबूरोड़ से माउन्ट आबू के लिए एक हीं मुख्य सड़क मार्ग है। जिसपर होकर माउन्ट-आबू पर्यटक जाते है। आबूरोड़ सिटी से माउन्ट कि दूरी करीब 23 किलोमीटर है। इस 23 किलोमीटर के भीतर तीन थाने और दो पुलिस चौकी स्थित है। हालांकि अस्थाई ट्रैफ़िक पॉइंट के अलावा यह सबकुछ होने के बाद भी माउन्ट -आबूरोड़ सड़क मार्ग पर् गत दिनों दिन के उजाले में सरेआम गुजरात राज्य के एक 23 वर्षीय पर्यटक कि चाकू घोप कर हत्या कर दी जाती है, जों कई सवाल खड़े करता है।

गजब व्यवस्था जिम्मेदार बेखबर

हैरत की बात यह तलहटी ट्रैफ़िक चौकी पर् तय पोस्ट के विपरीत सात कार्मिकों की लिखित व मौखिक आदेश पर् तैनाती कर रखी है। और उतने हीं करीब छिबाबेरी पुलिस चौकी पर् भी। फिर भी यह आलम है। सवाल यह उठता है कि गुजरात नंबर की हर गाड़ी कों पुलिस द्वारा रोकर चेक किया जाता है। फिर दुपहिया वाहनों की सघन चेकिंग से पुलिस कों परहेज क्यों है.? जों कई सवाल भी खड़े कर रहा है। क्या वास्तव में चेकिंग होकर कोई कार्रवाई हों रहीं या कोई खेला चल रहा है। इसपर सिरोही पुलिस अधीक्षक कों विशेष निगाहें बनाकर रखनी होंगी।

कार्यशैली पर् सवाल

दिनदहाड़े हों रहीं लूट हत्या कि घटनाओ के बाद पुलिस कि कार्यशैली पर् गंभीर प्रश्न वाचक चिन्ह लगा है। बदमाश जिले में कितने बेखौफ है। ज़ब मर्जी तब वारदात कों अंजाम देने में सफल हों रहें है। 9 अगस्त कों भी पिण्डवाड़ा थाना क्षेत्र में एक शख्स के साथ लूट कि वारदात सामने आई है जिसकी लिखित रिपोर्ट पीड़ित ने थाने में दी है। बदमाशो के हौसले बुलंद है।

लचर क़ानून व्यवस्था

आए दिन जिले में हो रही लूट की वारदातों ने कहीं गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस लचर कानून व्यवस्था के चलते लोग भयभीत होकर जीने को मजबूर है। जैसे ही शाम ढल जाती है उनका घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो रहा है। न जाने कब कौन सी आफत उनके लिए जानलेवा साबित हो जाए।

जिले के 20 हजार दुग्ध उत्पादक किसानों के 14 करोड़ रु. अनुदान पर रोक-जाड़ावत

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्र सिंह जाड़ावत ने भजनलाल सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि किसान विरोधी नीतियों के चलते जिले के करीब 20 हजार दुग्ध उत्पादक किसानों के 14 करोड़ रुपए की अनुदान राशि रोक दी गई है। जाड़ावत ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किसानों को 1 लीटर दूध पर 5 रुपए सब्सिडी देने की योजना शुरू की थी, जिससे सीधी आर्थिक मदद व स्थिर बाजार दर मिलती थी। वर्तमान सरकार ने इस योजना की राशि जारी नहीं की, जिससे किसानों की बाकियात बढ़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि समय पर यह राशि मिलने पर किसान खाद-बीज व कृषि कार्य में इसका उपयोग कर उत्पादन बढ़ा सकते थे। जाड़ावत ने जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे इस मुद्दे को जयपुर तक ले जाकर किसानों को शीघ्र राहत दिलवाएं।

दुष्कर्म व हत्या के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता।कीर समाज की बेटी के साथ हुए गैंगरेप और हत्याकाण्ड से जुड़े समस्त दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग को लेकर कीर समाज द्वारा हरिवंश कीर समाज प्रदेश समिति के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट चैराहे पर प्रदर्शन कर जिला कलक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। समाजजजनों ने बेटी को इंसाफ दिलाने को लेकर कीरखेड़ा सर्कल से कलेक्ट्रेट चैराहे तक पैदल मार्च निकाला, जहां मानव श्रृंखला बनाकर रोड जाम कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। समाज जनों की ओर से धरना प्रदर्शन के पश्चात प्रतिनिधि मंडल द्वारा जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सोपा गया। ज्ञापन में बताया कि गत दिनों सिंचाई नगर कीरखेड़ा निवासी कीर समाज की 11वीं कक्षा में अध्ययनरत स्कूली छात्रा के साथ हुए रेप और हत्या से समाज में भारी रोष व्याप्त है। दोषियों को कड़ी सजा मिले, इसी मांग को लेकर कीर समाज द्वारा धरना प्रदर्शन किया गया।

माधव विश्वविद्यालय की पहल बनी मिसाल

दिव्यांग विद्यार्थियों को जिला कलेक्टर ने दिए अंग उपकरण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आबूरोड। राजकीय महाविद्यालय, सिरोही में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. अल्पा चौधरी एवं अन्य अधिकारियों ने माधव विश्वविद्यालय के माधव विशेष विद्यालय के विद्यार्थियों को अंग उपकरण वितरित किए। पूर्व में जिला प्रशासन की ओर से आई एक टीम ने इन दिव्यांग विद्यार्थियों की शारीरिक जाँच की, जिसके पश्चात इन विद्यार्थियों को कार्यक्रम में उपकरण वितरित किए गए।

अंग उपकरण प्राप्त कर विद्यार्थियों के चेहरों पर प्रसन्नता और आत्मविश्वास की चमक देखते ही बनती थी। कई विद्यार्थियों ने बताया कि इन उपकरणों से उनका दैनिक जीवन आसान होगा और पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी उनका प्रदर्शन बेहतर होगा। माधव विश्वविद्यालय दिव्यांगजन शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश ही नहीं, बल्कि देशभर में एक अनूठा उदाहरण पेश कर रहा है। वर्तमान में यहां 100 से अधिक दिव्यांग विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा दी जा रही है। यह देश का पहला विश्वविद्यालय है, जो विशेष रूप से दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए होम्योपैथी, फिजियोथैरेपी, पैरामेडिकल, फार्मेसी जैसे विभिन्न पेशेवर पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी प्रेरित किया जा रहा है। चांसलर हिम्मत सिंह देवल ने कहा कि दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण की व्यवस्था करना केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक सामाजिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव का कारण बनते हैं। प्रेसिडेंट डॉ. राजीव माथुर ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को कौशल और आत्मविश्वास से लैस कर मुख्यधारा में जोड़ना है। रजिस्ट्रार डॉ. भावेश कुमावत ने इसे शिक्षा और सामाजिक उत्तरदायित्व का आदर्श उदाहरण बताते हुए कहा कि माधव विश्वविद्यालय भविष्य में और अधिक कोर्स एवं सुविधाएं जोड़ने की योजना पर काम कर रहा है। वहीं, रिसर्च अधिष्ठाता डॉ. पवन ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के मनोबल को बढ़ाते हैं और उन्हें चुनौतियों का सामना करने की हिम्मत देते हैं। माधव विशेष विद्यालय के शिक्षक पवन फौजदार ने जिला प्रशासन और विश्वविद्यालय प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे अवसर न केवल विद्यार्थियों को सहारा देते हैं, बल्कि उन्हें यह विश्वास भी दिलाते हैं कि वे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। कई विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा दी जा रही सुविधाओं और निःशुल्क शिक्षा ने उनके जीवन की दिशा बदल दी है।

इस आयोजन ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि शिक्षा, संवेदनशीलता और सही अवसर के माध्यम से दिव्यांगजन भी जीवन के हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं। माधव विश्वविद्यालय की यह पहल न केवल शिक्षा के क्षेत्र में, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने में भी एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

सड़कों पर नहीं दिखेंगे आवारा कुत्ते, हाई कोर्ट ने दिए कड़े आदेश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में अब आपको गली में घूमते हुए आवारा कुत्ते और उनके नन्हे मुन्ने पिल्ले नजर नहीं आएंगे, क्योंकि हाईकोर्ट ने शहर की सड़कों से आवारा कुत्तों और अन्य जानवरों को हटाने का आदेश जारी किया है। राजस्थान हाईकोर्ट ने यह निर्देश एक स्वतः संज्ञान याचिका पर दिया, जिसमें अदालत ने राज्य में कुत्तों के काटने की घटनाओं और आवारा पशुओं के आतंक से होने वाली मौतों का संज्ञान लिया था। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट द्वारा सोमवार को दिल्ली-NCR के इलाकों से सभी आवारा कुत्तों को हटाने के आदेश के बाद आया है, जहां कुत्तों के काटने से होने वाली मौतों की लगातार घटनाएं सामने आ रही हैं। यह आदेश नोएडा, गुरुग्राम और गाजियाबाद पर भी लागू है।

बाधा डालने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

11 अगस्त को, राजस्थान हाईकोर्ट ने सोमवार को जयपुर, जोधपुर और उदयपुर में नगर निकायों को शहर की सड़कों से आवारा कुत्तों और अन्य जानवरों को हटाने का निर्देश दिया, साथ ही यह भी सुनिश्चित किया कि उन्हें कम से कम शारीरिक नुकसान हो। इस मामले की अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जो कोई भी नगर निकायों को सड़कों/कॉलोनियों/ सार्वजनिक रास्तों से आवारा जानवरों को हटाने में बाधा डालेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके काम में बाधा डालने वाले या सरकारी कर्मचारियों के कर्तव्यों के निर्वहन में बाधा डालने वाले लोगों के खिलाफ FIR दर्ज करने सहित कार्रवाई करने की पूरी छूट दी गई है।

आवारा कुत्तों को 8 हफ्तों में शेल्टर होम में भेजने का आदेश

बता दें कि इससे पहले दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों के बढ़ते हमलों और रेबीज से हो रही मौतों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक अहम आदेश जारी किया था। शीर्ष अदालत ने दिल्ली-NCR से सभी आवारा कुत्तों को 8 हफ्तों में शेल्टर में रखने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली-एनसीआर के सभी आवारा कुत्तों को रिहायशी इलाकों से उठाकर शेल्टर होम में रखा जाए। कोर्ट ने यह भी चेतावनी दी है कि जो भी संगठन या व्यक्ति इस काम में बाधा डालेगा, तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

15 अगस्त से निजी वाहनों के लिए फास्टैग में मिलेगी राहत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय की ओर से टोल बूथों पर फास्टैग को लेकर किए बदलाव का फायदा केवल निजी वाहन चालकों को मिलेगा। व्यावसायिक वाहन चालकों को इसका फायदा नहीं मिलेगा। ऐसे में योजना का निजी वाहन जैसे कार, जीप, वैन ही लाभ उठा सकेंगे। नए बदलाव के तहत 3 हजार रुपए की सालाना फीस पर फास्टैग का वार्षिक पास मिलेगा।

इसके तहत सालभर में नेशनल हाइवे के 200 टोल बूथ पार किए जा सकेंगे। यह बदलाव 15 अगस्त से लागू होगा। इस नए नियम से निजी वाहन मालिकों को राहत मिलेगी। यह वार्षिक फास्टैग पास महज तीन हजार रुपए में 200 बार गुजरने की सुविधा देगा। यह पास सिर्फ उसी गाड़ी के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा। जिसके नाम पर पास लिया है। जिस वाहन पर पास एक्टिवेट किया है, उसके आगे के शीशे पर फास्टैग लगाना अनिवार्य है।

जानकारी अनुसार यह योजना उन निजी वाहन चालकों के लिए फायदेमंद होगी जो रोजाना या बार-बार टोल प्लाजा से गुजरते हैं। सालाना पास लेने पर उन्हें बार-बार शुल्क चुकाने की जरूरत नहीं होगी और वे निर्धारित सीमा तक बिना अतिरिक्त भुगतान के यात्रा कर सकेंगे।

भारत विश्व का कल्याण चाहने वाला देश- डॉ. भागवत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सीकर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत दुनिया में धर्म देने वाला और विश्व का कल्याण चाहने वाला देश है। यहां के वेदों में सभी शास्त्र निहित हैं, ऋषियों की तपस्या से राष्ट्र में बल और ओज का संचार हुआ है।

डॉ. भागवत मंगलवार को राजस्थान के सीकर जिले में स्थित श्री जानकीनाथ बड़ा मंदिर, रैवासा धाम में ब्रम्हलीन पूज्य रेवासा पीठाधीश्वर स्वामी राघवाचार्य वेदांती महाराज की प्रथम पुण्य तिथी पर आयोजित 'श्री सियपिय मिलन समारोह' में बोल रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने स्वामी राघवाचार्य की तीन फीट ऊंची संगमरमर की प्रतिमा का अनावरण और नव-निर्मित गुरुकुल भवन का लोकार्पण भी किया। सरसंघचालक ने कहा कि इतिहास ने भी जब आंखें नहीं खोली थी। तब से विश्व को सत्य, धर्म और आध्यात्म का मार्ग दिखाने और मानवता के कल्याण का कार्य भारतवर्ष और भारत का हिंदू समाज कर रहा है। सनातन काल से रीति ऐसे ही चल रही है। कई उतार-चढ़ाव आए। कभी हम स्वतंत्र रहे। कभी वैभव संपन्न रहे। कभी हम दरिद्र हो गए। कभी हम परतंत्र हो गए। अत्याचारी-पीड़ित हो गए। फिर भी यह काम लगातार चलता रहा। जब-जब दुनिया को विशेष रूप से इसकी आवश्यकता पड़ती है। तब भारत का उत्थान होता है। आज हम देख रहे हैं अप्रत्याशित रूप से अगर स्वतंत्रता के बाद का हमारा इतिहास देखें तो इतिहास के आधार पर कोई यह तर्क नहीं कर सकता कि भारतवर्ष उठेगा, लेकिन भारत वर्ष उठ रहा है।

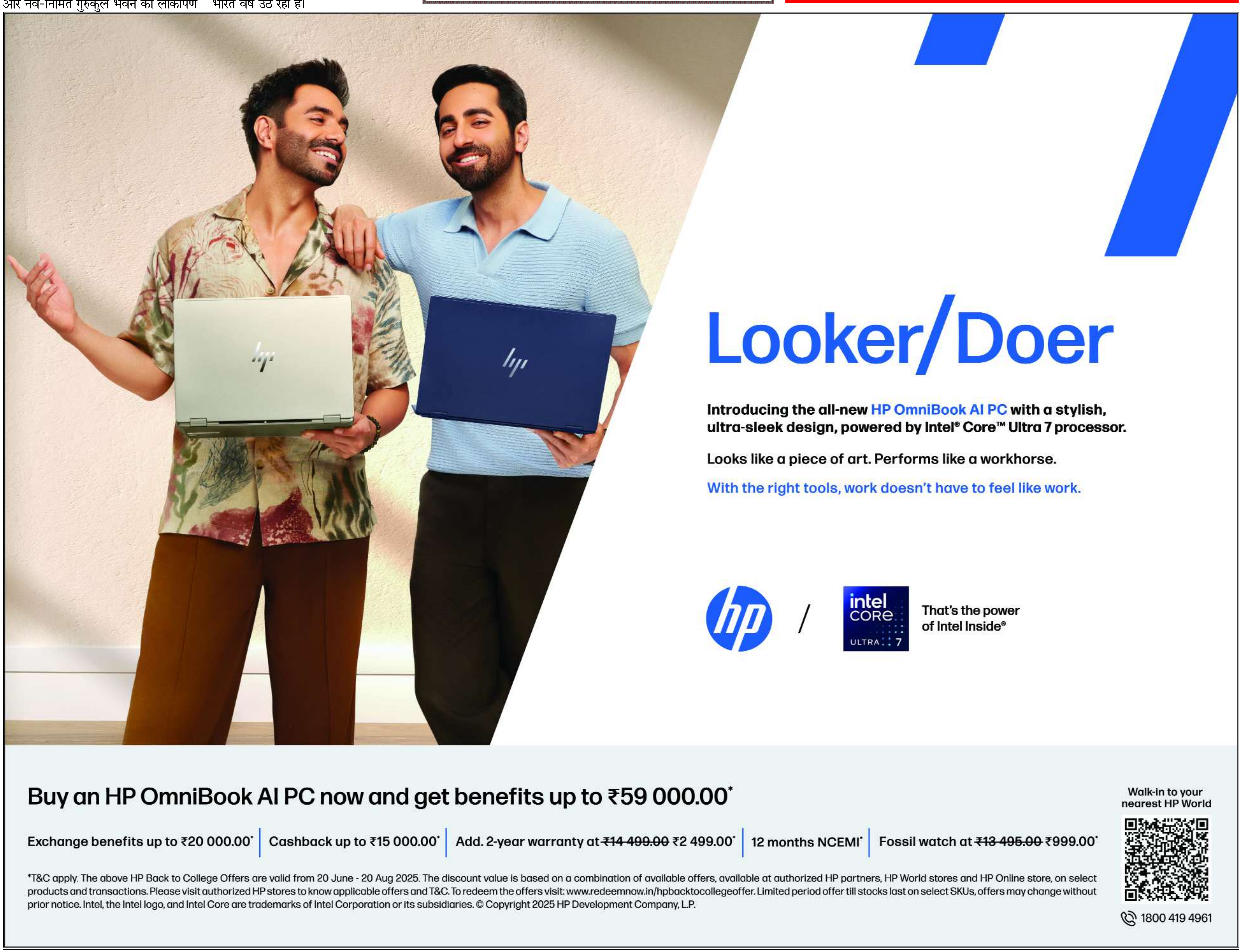

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

जयपुर के बिड़ला आडिटोरियम में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

सत्ता लोभी लोगों ने स्वार्थ की राजनीति के चलते किया विभाजन- शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर की ओर से विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस संगोष्ठी बिडला आडिटोरियम में आयोजित की गई। संगोष्ठी को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभाजन को दुनिया की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदी बताते हुए कहा कि आजादी से ठीक पहले 10 लाख लोगों की हत्या हुई, लाखों परिवार उजड़ गए। देश की आजादी के लिए महान पुरुषों ने खुद को समर्पित किया, लेकिन सत्ता का लालच और तुष्टिकरण की राजनीति ने देश को बांट दिया। जिन लोगों ने हमेशा स्वार्थ की राजनीति की, लालच की राजनीति की उन लोगों के कारण हमारे देश के हिन्दुओं को विभाजन का दंश झेलना पड़ा। "पाकिस्तान से जो ट्रेनें आती थीं, वे लाशों से भरी होती थीं। यह विभाजन की भयावहता को दर्शाया है। उन्होंने कहा कि यह केवल भूतकाल की पीड़ा नहीं है, बल्कि आज भी पाकिस्तान में रहने वाले हिंदुओं के साथ अन्याय हो रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पाकिस्तान से विस्थापित होकर आने वालों को नागरिकता देने का दायित्व जिनकी सरकारों पर था, वे असफल रहीं। नागरिकता देना तो दूर इन सत्ता के लालचियों ने बिल बनाकर उनकी संपत्ति का कोई मुआवजा तक देने से इनकार कर दिया। जिस कांग्रेस ने सत्ता सुख के लिए लाखों लोगों की कुर्बानी कर दी थी, आज वहीं कांग्रेस हमें एकता का पाठ पढ़ा रही है। जिस कांग्रेस ने इस देश का बांटा, वो कभी देश संभाल नहीं सकती, जिसने इस देश को तोड़ा वो लोगों को कभी जोड़ नहीं सकती। ऐसे आस्तिन के सांपों को मुंह उठाने से पहले ही कुचल देना चाहिए। आजादी के कई दशकों बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने यह जिम्मेदारी निभाई है और पीड़ितों को नागरिकता देने की प्रक्रिया को पूरा किया। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने विभाजन के समय लाखों शरणार्थियों की सेवा की। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक अशोक परनामी ने कहा कि 1947 में देश के विभाजन के समय पाकिस्तान से भारत आए लोगों ने जो कष्ट झेले, उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करना, बेटियों के साथ अन्याय और अत्याचार करना, विस्थापितों की पीड़ा सुनकर आज भी रूह कांप जाती है। परनामी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि उन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम को पास करवा कर पीड़ितों को न्याय दिलाने का कार्य किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह दिवस राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि इतिहास की सच्चाई को जन-जन तक पहुंचाने और उस त्रासदी से सीख लेने के लिए मनाया जा रहा है। परनामी ने विभाजन के लिए कांग्रेस और गांधी परिवार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यह "मजबूरी" नहीं बल्कि सत्ता का लोभ और कांग्रेस की मंजूरी का परिणाम था। यदि सत्ता सरदार वल्लभ भाई पटेल के हाथों में होती, तो देश का विभाजन टल सकता था।

15 दिवसीय वेटरनरी इंटरनशिप कार्यक्रम आयोजित

अपने पेशे से देश को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दें-तोमर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अविकानगर। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर में राजस्थान के दो प्राइवेट वेटरनरी कॉलेज (13 छात्र इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ वेटरनरी एजुकेशन एंड रिसर्च, रोहतक हरियाणा एवं 11 छात्र मस्तनाथ बाबा वेटरनरी कॉलेज डूंगरपुर) का 15 दिवसीय (12 से 26 अगस्त, 2025 तक) वेटरनरी इंटरनशिप कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर द्वारा करते हुए शुरुआत की गई। निदेशक डॉ तोमर द्वारा सभी उपस्थित 24 वेटरनरी इंटरनशिप को अपने सम्बोधन मे बताया कि हमारा प्रयास है कि आपमे अच्छी जानकारी का विकास हो एवं वेटरनरी क्षेत्र मे अच्छा कौशल विकास हो, जो भविष्य मे आगे जाकर हमारे जैसे पद को अपने कार्य से सुशोभित करे। क्योकि वर्तमान समय प्रतिस्पर्धा का जिसमे जो अपने आप को साबित करेगा वो ही अपनी पहचान बना पायेगा।

आपका उदेश्य पशुधन के क्षेत्र मे नस्ल, स्वास्थ्य, पोषण, चारा, प्रजनन एवं विभिन्न वैल्यू एडिशन प्रबंधन पर किसानो को आवश्यक सलाह देते हुए लाभकारी बनाना है। आप अपने पेशे के माध्यम से ऐसा कार्य करे जो देश के विकास एवं आत्मनिर्भर बनाने मे महत्वपूर्ण योगदान दे सके। अंत मे निदेशक द्वारा 15 दिन मे संस्थान की ज्यादा से ज्यादा जानकारी सीखकर देश के किसान तक पहुंचाने का निवेदन सभी इंटर्न को किया। ओर देश की पशुधन सम्पदा की उत्पादकता को बढ़ाने के लिए आपके प्रयास की देश को सख्त आवश्यकता है। दोनों कॉलेज के इंटरनशिप कार्यक्रम का समन्वयक डॉ सुरेश चंद शर्मा, डॉ अमरसिंह मीना एवं डॉ सृष्टि सोनी द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम मे पशु फिजिलॉजी एवं बायोकेमिस्ट्री के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ सत्यवीर सिंह डागी, वूल प्लांट प्रभारी डॉ अजय कुमार, एवं एलपीटी प्रभारी डॉ अरविन्द सोनी भी कार्यक्रम मे उपस्थित रहे। अविकानगर के मीडिया प्रभारी डॉ अमरसिंह मीना ने कार्यक्रम की जानकारी दी।

नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने मुरलीपुरा जोन का किया औचक निरीक्षण

आमजन द्वारा की गई शिकायतों का तत्काल हो निस्तारण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ गौरव सैनी ने मुरलीपुरा जोन के वार्ड नं. 18 और 20, 25 का औचक निरीक्षण किया। आयुक्त ने साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। इस दौरान आयुक्त ने वहाँ के नागरिकों से स्वच्छता को लेकर संवाद किया फीडबैक लिया एवं अवैध दुकानों पर अतिक्रमणों को हटाने के निर्देश दिए व अवैध बैनर व पोस्टरों को हटवाये तथा सिंगल यूज प्लास्टिक जब्ती की कार्यवाही की गई। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने निरीक्षण के दौरान जिन दुकानों पर डस्टबिन नहीं पाए गए, उन पर चालानी कार्रवाई के निर्देश दिये और चेतावनी दी जाये कि डस्टबिन न रखने, अवैध अतिक्रमण करने या सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। आयुक्त ने आमजन को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने, दुकान के बाहर दो डस्टबिन रखने और आसपास की सफाई अपनी जिम्मेदारी समझने के लिए जागरूक किया गया। आयुक्त ने आमजन द्वारा की शिकायत पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये साथ ही अधिशाषी अभियन्ता को नालों पर फेरो कवर लगाने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान मुरलीपुरा जोन उपायुक्त, OIC, सीएसआई एवं

अचलगढ़ में श्रमदान से की सफ़ाई, स्वच्छता से दमक उठा मंदाकिनी कुण्ड

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। उपखण्ड अधिकारी डॉ अंशु प्रिया की पहल पर अब समूचे पर्यटन स्थल पर स्वच्छता अभियान को क्रमवार सन्चालित किया जा रहा है । माउण्ट आबू के अरावली पर्वतमाला के सबसे ऊँचे पर्यटन स्थल गुरू शिखर पर श्रमदान जनसहभागिता से किया गया। मंगलवार को हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत् अचलगढ़ क्षेत्र में स्थित पार्किंग एरिया एवं मंदाकिनी कुण्ड में जन सहभागिता से साफ सफाई करवायी गयी। श्रमदान के माध्यम से प्लास्टिक व बिखरा हुए कचरे की तीन ट्रैक्टर्स ट्रॉलियों को संग्रहित करके डम्पिंग यार्ड में भेजा गया। इस श्रमदान कार्यक्रम में आदर्श विद्यामेदिर के छात्र, नगरपालिका कार्मिक पंचायत स्टाफ मार्केट संघ के सदस्य एवं स्थानीय अचलगढ़ एवं जनप्रतिनिधि, तिब्बती दुकान मार्केट के दुकानदारों ने इस श्रमदान में सहयोग प्रदान किया। इस श्रमदान में सभी श्रमदान कर्ताओं ने कुल तीन ट्रेक्टर कचरा उठाया गया। ट्रोली श्रमदान इस हर घर तिरंगा कार्यक्रम में के पश्चात सभी श्रमदान कर्ताओं हाथों में तिरंगा लेकर देश भक्ति नारे लगाते हुए अचलगढ़ ग्राम में रैली निकाली गई। अचलगढ़ महादेव जी मंदिर के पास स्थित सभी दुकान मालिकों को अपने दो प्रतिष्ठान के बाहर कचरा पात्र रखने एवं कचरे का यथा स्थान पर ही डम्प रखने के लिए कहा गया। सुनियोजित निष्पादन हेतु समझाइश की गयी। सभी उपस्थित श्रमदान कर्मियों को आगामी दिनों में आबूपर्वत में प्रशासन द्वारा किए जाने वाले श्रमदान कार्यक्रम में सहभागी बनने हेतु प्रेरित किया।

नगर निगम ग्रेटर द्वारा "स्वच्छता योद्धा" सम्मान कार्यक्रम आयोजित

राज्यपाल ने सफाई कर्मियों के साथ किया भोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को नगर निगम ग्रेटर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छता योद्धाओं को सम्मानित किया। उन्होंने इस दौरान कहा कि स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कार्य करने वाले अपने बच्चों को खूब पढ़ाएं। शिक्षा से ही जीवन में विकास के अवसर मिलते हैं। उन्होंने स्वच्छता कार्मिकों के साथ बैठकर उनसे संवाद किया। उनके साथ भोजन किया।

राज्यपाल बागडे ने कहा कि नगर निगम ग्रेटर द्वारा किए गए प्रयासों से सफाई में नगर निगम ग्रेटर 173 से 16 वें स्थान पर आ गया है।

यह उपलब्धि बहुत महत्वपूर्ण है। राज्यपाल ने कहा कि भारत सरकार द्वारा 2 अक्टूबर 2014 को देशभर में स्वच्छता अभियान शुरू किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य ही है, भारत को स्वच्छ, स्वस्थ और खुले में शौच से मुक्त बनाएं। उन्होंने कहा कि समाज में हर छोटा प्रयास बड़ा बदलाव ला सकता है। स्वच्छता योद्धाओं ने गलियों, गांवों, और शहरों को स्वच्छ बनाने में दिन-रात मेहनत की है। उन्होंने सभी की सराहना की। उन्होंने इसी तर्ज पर "हर घर तिरंगा अभियान" चलाने का

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में 'एंटी रैगिंग वीक' और 'विकसित भारत युवा कनेक्ट' का शुभारंभ

शिक्षा का वातावरण हो अनुशासन और भाईचारे से परिपूर्ण-कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। आयुर्वेद विश्वविद्यालय में कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में एंटी रैगिंग वीक एवं विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय परिसर में हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत 12 अगस्त 2025 को एंटी रैगिंग दिवस के रूप में हुई, जो 18 अगस्त 2025 तक विभिन्न गतिविधियों के साथ मनाया जाएगा। इस दौरान जागरूकता व्याख्यान, निबंध लेखन, स्किट एवं रैली, डिजिटल पोस्टर प्रस्तुति, रील और वीडियो प्रस्तुति सहित अनेक प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी, जिनका उद्देश्य छात्रों में रैगिंग के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आपसी सौहार्द को प्रोत्साहित करना है।

इस अवसर पर कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने अपने संबोधन में कहा कि रैगिंग जैसी प्रवृत्तियां शिक्षा और संस्कार के वातावरण को आहत करती हैं। विश्वविद्यालय का दायित्व है कि वह छात्रों में अनुशासन, सम्मान और भाईचारे की भावना विकसित करे। एंटी रैगिंग वीक जैसी गतिविधियां न केवल जागरूकता बढ़ाती हैं बल्कि छात्रों को जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करती हैं।

कार्यक्रम के एंटी रैगिंग नोडल अधिकारी डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा ने कहा कि यूजीसी द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय में रैगिंग रोकथाम हेतु वर्ष भर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। एंटी रैगिंग वीक के अंतर्गत छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित कर हम एक सुरक्षित और सकारात्मक माहौल का निर्माण कर रहे हैं।"

एनएसएस नोडल अधिकारी डॉ. श्योराम शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि युवा शक्ति देश का भविष्य है, और अनुशासन एवं पारस्परिक सम्मान उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। रैगिंग उन्मूलन के प्रयास तभी सफल होंगे जब प्रत्येक छात्र इसमें अपनी भूमिका निभाए।"

कार्यक्रम के शुभारंभ में पीजी अध्येता डॉ. पवित्रा ने एंटी रैगिंग के महत्व और कानूनी प्रावधानों पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। इस दौरान डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा ने यूजीसी द्वारा एंटी रैगिंग हेतु जारी गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद, जोधपुर के प्राचार्य प्रो. चन्दन सिंह, पूर्व कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजाराम अग्रवाल, अस्पताल अधीक्षक प्रो. गोविंद गुप्ता, संकाय सदस्य, पीजी अध्येता सहित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net
विश्वसनीय समाचार पत्र

जी हाँ, यदि आपको अपने प्रतिष्ठान का व्यापार का विज्ञापन देना है तो जागरूक जनता समाचार पत्र द्वारा पूरे राजस्थान के साथ-साथ 4 अन्य राज्यों में आपका विज्ञापन प्रसारित किया जायेगा।

जो दिखेगा वही बिकेगा

आज ही बुक करें विज्ञापन

आपके व्यापार की तरक्की जागरूक जनता के साथ

विज्ञापन | क्लासीफाइड | डिस्प्ले | प्रॉपर्टी | वैवाहिक

विज्ञापन बुक करें : 9928022718 9829329070